www.hindmatamirror.com •वर्ष: 12 •अंक: 260 •ठाणे, मंगलवार 23 जून, 2026 •पेज: 8 •मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

दिशा का सिजलिंग पोज

पेज 8

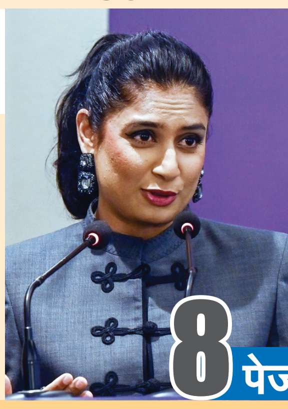

अब कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा : मिताली राज

8 पेज

सुप्रभात

जितना ही अधिक हम अध्ययन करते हैं, उतना ही अधिक ज्ञान आता है। जितनी अधिक हम तपस्या करते हैं, हमें यह ज्ञान होता जाता है कि हम कितने आत्मज्ञानी हैं।

- वाल्टेयर

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (23 जून) 7:19 बजे, सूर्योदय (24 जून) 6:02 बजे, **तापमान: 28 डिग्री से. (आंधी-तूफान की ज्यादा संभावना।)**

शॉर्ट स्टोरी

टैंकर भेजकर एहसान न जताए सरकार: कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि साफ और पीने योग्य पानी मिलना नागरिकों का बुनियादी हक है। कोर्ट ने महाराष्ट्र में पानी की भारी किल्लत पर गहरी चिंता जताई। साथ ही सरकार से पूछा कि वह इस गंभीर समस्या को कब तक दूर करेगी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट के सामने विदर्भ के अमरावती जिले से जुड़ी कई याचिकाएं थीं। इन याचिकाओं में आदिवासी बहुल मेलघाट का मुद्दा उठाया गया था। वहां कुपोषण के कारण लगातार नवजातों, गर्भवती महिलाओं और माताओं की मौतें हो रही हैं।

उद्धव गुट के चार विधायक मीटिंग से गायब

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की मुसीबत खत्म नहीं हो रही है। सोमवार को ही 6 सांसदों ने पार्टी को औपचारिक रूप से अलविदा कहा अब सोमवार की मीटिंग में पार्टी के 3 एमएलए, एक एमएलसी गायब रहे। शिवसेना यूबीटी के चीफ उद्धव ठाकरे ने सोमवार को पार्टी विधायकों और सांसदों की मीटिंग बुलाई थी। विधायक संजय देरकर, राहुल पाटील और संजय पोतनीस तथा एमएलसी सुनील शिंदे बैठक में मौजूद नहीं थे। सुनील शिंदे ने ही आदित्य ठाकरे के लिए अपनी वरली सीट खाली की थी। शिवसेना यूबीटी की इस अहम मीटिंग में 3 विधायकों और 1 एमएलसी के नहीं पहुंचने से एक बार फिर किसी नए ऑपरेशन की चर्चाएं शुरू हो गईं हैं।

मानसून लेट, छाता कारोबार 25% घटा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बरसात का इंतजार सिर्फ किसान ही नहीं कर रहे हैं बल्कि एक ऐसा वर्ग भी है जिसकी आजीविका बरसात के भरोसे ही चलती है। एक पखवाड़े के बाद बारिश दस्तक दे चुकी है लेकिन छाता कारोबारी अब भी मायूस दिख रहे हैं। छाता कारोबारियों की माने तो जून महीने में ही छाता की पूरे साल की बिक्री हो जाती थी। इस साल बरसात नहीं होने के चलते छाता कारोबार में 25% की गिरावट आई है। जहां बाजार छाता और रेनकोट की खरीदारी के लिए सज चुका है, वही बाजार में खरीददारों की भी अब भीड़ रही। बरसात नहीं होने से इस बार स्कूल खुलने के काफी समय बाद अभिभावक बच्चों के लिए रेनकोट की खरीद रहे हैं।

जमानत रद्द कराने पुलिस पहुंची कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे पुलिस ने पोर्शे कार दुर्घटना मामले में नाबालिग आरोपी के पिता विशाल अग्रवाल को मिली जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट का रुख किया और आरोप लगाया है कि अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट की शर्तों का उल्लंघन किया है। पुलिस ने यह कदम उस वीडियो के सामने आने के कुछ हफ्तों बाद उठाया गया है, जिसमें कथित तौर पर अग्रवाल को अपने परिवार के साथ जमानत का जश्न मनाते दिखाया गया और इससे सोशल मीडिया पर लोगों में काफी गुस्सा देखा गया। विशेष लोक अभियोजक शिशिर हिरे के माध्यम से शिवाजीनगर सत्र न्यायालय में दाखिल इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हो सकती है।

लखनऊ में अग्नि तांडव

15 लोगों की मौत

जान बचाने को गेमिंग जोन की छत से कूदे लोग

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार को हुई भीषण आग की घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों की उम्र 20 से 24 साल के बीच बताई जा रही है, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के समय इमारत में अचानक आग लगी और कुछ ही मिनटों में पूरी बिल्डिंग धुएं और लपटों से घिर गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। शुरुआत में इस घटना को कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी से जोड़कर देखा गया, लेकिन बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इमारत में न तो कोई कोचिंग सेंटर संचालित था और न ही कोई लाइब्रेरी चल रही थी। अधिकारियों के अनुसार ग्राउंड फ्लोर पर पेट शॉप थी, जबकि ऊपरी मंजिल पर गेमिंग जोन संचालित था, जहां कर्मचारी गेमिंग सॉफ्टवेयर पर काम करते थे।

आग से मची अफरा-तफरी, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

आग लगने के बाद ऊपरी मंजिल पर मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों के बाथरूम में फंसे होने की अपुष्ट सूचना भी सामने आई थी, लेकिन बाद में राहत और बचाव कार्य के दौरान सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों ने भी बचाव कार्य में सहयोग किया। आग की भयावहता इतनी अधिक थी कि कई लोग इमारत से बाहर निकलने के लिए छज्जों और अन्य हिस्सों का सहारा लेते नजर आए। एक शख्स ने जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मरने वालों में 12 पुरुष 3 महिलाएं

केजीएमयू के डॉक्टर प्रेमराज ने बताया कि 21-22 लोग अस्पताल लाए गए थे, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 12 पुरुष 3 महिलाएं हैं। आग लगने के दौरान कूदने वाले स्टूडेंट की रीढ़ की हड्डी में चोट आई है, जिसका इलाज जारी है।

आग पर काबू पाया गया

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फिलहाल कूलिंग ऑपरेशन जारी है ताकि दोबारा आग भड़कने की संभावना न रहे। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार और प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। पीएमओ ने कहा है कि मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। लखनऊ पुलिस और प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राहत एवं बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और प्रशासन हर पहलू पर नजर बनाए हुए है।

ठाकरे के छह सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

अब मेरे पास तीन संजय हैं: शिंदे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में शिवसेना की सियासी जंग के बीच उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। शिवसेना (यूबीटी) के 6 बागी सांसद अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। शिंदे सेना में शामिल होने वाले सांसदों में संजय बंडू जाधव (परभणी), संजय उत्तमराव देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश बापूराव पाटिल आष्टीकर (हिंगोली), भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे (शिर्डी), संजय दीना पाटिल (उत्तर-पूर्व मुंबई) और ओमराजे निंबालकर (धाराशिव) शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली पर अपना भरोसा जताया है। इन सांसदों ने 17 जून को दिल्ली में हुई शिवसेना (यूबीटी) पार्लियामेंट्री पार्टी की मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया था। इसके बाद से ही उनके पार्टी बदलने की अटकलें तेज हो गई थीं। सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान खुद एकनाथ शिंदे ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब मेरे पास तीन संजय हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2022 की बगावत को याद किया। उस समय 40 विधायकों ने बगावत करते हुए एकनाथ शिंदे का साथ दिया था। उन्होंने कहा कि हम हमेशा बालासाहेब ठाकरे की आइडियोलॉजी को बचाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। ये बगावत का दूसरा चरण हैं। ये सभी छह सांसद असली शिवसेना में शामिल हुए हैं। उनके साथ सिर्फ एक नहीं बल्कि 6 टाइगर मौजूद हैं। शिवसेना परिवार का हिस्सा बन गए हैं।

दम है तो फिर से चुनाव लड़कर दिखाएं बागी

बागियों पर कड़ा प्रहार करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि हम बस इतना कह रहे हैं कि जिन सांसदों ने पाला बदला है और जिन्हें असल में आपने खरीद लिया है, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और नए चुनाव में जनता के सामने जाना चाहिए। आइए और हमारे खिलाफ लड़िए। उन्हें बीजेपी के समर्थन और नेतृत्व के साथ फिर से चुनाव लड़ने दें। हम आपको हराएंगे और बैलेट बॉक्स पर अपनी ताकत साबित करेंगे।

हमने इस बार सिक्सर मारा है

एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमने इस बार सिक्सर मारा है। हम किसी का रास्ता नहीं काटते, लेकिन अगर कोई हमारा रास्ता काटने की कोशिश करता है तो बालासाहेब ठाकरे ने हमें उसका जोरदार जवाब देना सिखाया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 40 विधायक थे, लेकिन चुनाव में 60 विधायक चुनकर आए। पिछले दो सालों में हमने शिवसेना को मजबूत किया है।

नहीं जाएगी लोकसभा की सदस्यता

दल-बदल कानून के मुताबिक किसी भी पार्टी में टूट होने पर सांसदों को अयोग्यता से बचने के लिए कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन हासिल होना जरूरी होता है। शिवसेना यूबीटी के 6 सांसदों ने एक साथ अलग होकर एकनाथ शिंदे गुट का समर्थन किया है। चूंकि यह संख्या आवश्यक दो-तिहाई आंकड़े को पूरा करती है, इसलिए इन सांसदों की लोकसभा सदस्यता पर तत्काल कोई खतरा नहीं माना जा रहा है।

निंबालकर और जाधव की चमकी किस्मत

मंत्री पद के रूप में मिलेगा यूबीटी से बगावत का इनाम

ऑपरेशन टाइगर के तहत टूट को लेकर सूत्रों ने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के बाद इन बागी सांसदों को सत्ता में बड़ी हिस्सेदारी दी जा रही है। तय फॉर्मूले के मुताबिक, सांसद संजय जाधव और सांसद ओमराजे निंबालकर को केंद्र की एनडीए सरकार में शिवसेना के कोटे से डेढ़-डेढ़ साल के लिए मंत्री पद सौंपा जाएगा। इस रोटेशन फॉर्मूले पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बन चुकी है और नंदनवन में चल रही मौजूदा बैठक के तुरंत बाद इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा।

बागी सांसद के बेटे को पार्टी से निकाला

अपने छह लोकसभा सदस्यों की बगावत झेल रही शिवसेना (उबाठा) ने बागी सांसद नागेश पाटील आष्टीकर के बेटे को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निकाल दिया है। पार्टी नेता संजय राऊत ने सोमवार को यह जानकारी दी। सांसद आष्टीकर के बेटे कृष्णा पाटील आष्टीकर पिछले सप्ताह हुए महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में नांदेड़ से पार्टी के उम्मीदवार थे। राऊत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कृष्णा नागेश पाटील को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए शिवसेना (उबाठा) से निष्कासित कर दिया है। फिलहाल उठापटक जारी है।

महाराष्ट्र सरकार ने पेश की 97,706 करोड़ की अनुपूरक मांगें

खजाने पर 74,817 करोड़ रुपए का बोझ

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने 97,706.40 करोड़ रुपए की अनुपूरक मांगें विधानसभा में सोमवार को पेश कीं। इसमें कृषि ऋण माफी योजना के लिए 20,552 करोड़ रुपए शामिल हैं। इससे राज्य के खजाने पर 74,817.66 करोड़ रुपए का शुद्ध अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। गौरतलब है कि विपक्ष लंबे समय से न्यूनतम तकनीकी शर्तों के साथ पूर्ण कृषि ऋण माफी की मांग कर रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने इस महीने की शुरुआत में कड़ी शर्तों को हटाने और किसानों के लिए व्यापक ऋण माफी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन ये मांगें पेश कीं। कुल अनुपूरक मांगों में से 13,825.71 करोड़ रुपए अपरिहार्य व्यय के लिए, 66,559.40 करोड़ रुपए कार्यक्रम संबंधी खर्च के लिए और 17,321.29 करोड़ रुपए केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत उपलब्ध निधियों से समर्थित व्यय के लिए मांगे गए हैं। सरकार द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 97,706.40 करोड़ रुपए की सकल मांगों के बावजूद समायोजन और वसूली के कारण वास्तविक वित्तीय बोझ 74,817.66 करोड़ रुपए होगा।

- सबसे बड़े आवंटनों में 2026 की पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमुक्ति योजना के लिए 20,552 करोड़ रुपए शामिल हैं। केंद्र की राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत ब्याज-मुक्त ऋणों के लिए 10,007.10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के ऋण और ब्याज देनदारियों के भुगतान के लिए 8,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

- सरकार ने विकसित भारत-रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) कार्यक्रम के लिए 7,367.32 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा है। इसमें केंद्र और राज्य दोनों का हिस्सा शामिल है। सरकारी कार्यालयों के बिजली बिल के भुगतान के लिए एकीकृत बिलिंग प्रणाली के तहत 4,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। एएमआरयूटी 2.0 मिशन (शहरों को जल-सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से) के लिए 3,076 करोड़ रुपए मांगे गए हैं, जबकि सिंहस्थ कुंभ मेले की योजना और क्रियान्वयन के लिए 3,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

- सरकार ने कृषि पंपों, पावरलूम (विद्युत करघा), वस्त्र एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर सब्सिडी हेतु 2,722.42 करोड़ रुपए और ट्यूशन व परीक्षा शुल्क को कवर करने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 2,360.06 करोड़ रुपए की मांग की है। श्रवणबाल सेवा राज्य पेंशन योजना के लाभार्थियों के लिए 2,000 करोड़ रुपए और संजय गांधी निराधार योजना के तहत दिव्यांग एवं सामान्य वर्ग के लाभार्थियों के लिए 1,874.38 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय एवं वेतन के लिए 1,734.92 करोड़ रुपए तथा विदर्भ सिंचाई विकास निगम की परियोजनाओं के लिए 1,100 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। अन्य प्रमुख प्रावधानों में स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (शहरी) 2.0 के लिए 1,000 करोड़ रुपए और रेवास-रेड्डी तटीय राजमार्ग परियोजना के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को इक्विटी योगदान के रूप में 1,000 करोड़ रुपए शामिल हैं।

- अनुपूरक मांगों में रोजगार गारंटी योजनाओं के लिए 942.50 करोड़ रुपए, जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में इक्विटी योगदान के रूप में 777 करोड़ रुपए, महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के लिए 744.45 करोड़ रुपए और पंढरपुर स्थित श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर परिसर के आसपास विकास एवं वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स योजना के लिए 600 करोड़ रुपए भी शामिल हैं।

- विभागवार देखें तो सहकारिता, विपणन एवं वस्त्र विभाग के लिए 22,015.42 करोड़ रुपए का सबसे अधिक अनुपूरक आवंटन प्रस्तावित है। इसके बाद शहरी विकास विभाग को 15,152.43 करोड़ रुपए और उद्योग, ऊर्जा, श्रम एवं खनन विभाग को 14,760.48 करोड़ रुपए प्रस्तावित किए गए हैं।

- वित्त विभाग को 9,934 करोड़ रुपए और योजना विभाग को 9,539.03 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। सरकार के अनुसार, लोक निर्माण विभाग को 5,361.90 करोड़ रुपए, जबकि सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग तथा लोक स्वास्थ्य विभाग को क्रमश: 3,481.01 करोड़ रुपए और 3,061.26 करोड़ रुपए दिए जाने का प्रस्ताव है।

किसान कर्ज माफी की मांग को लेकर हंगामा

विधानसभा परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले, विपक्षी दलों ने सोमवार को देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर की सीढ़ियों पर जोरदार प्रदर्शन किया और न्यूनतम शर्तों के साथ किसानों की पूर्ण कर्ज माफी की मांग की। शिवसेना (उबाठा) के विधायक आदित्य ठाकरे, अंबादास दानवे और कांग्रेस के सतेज पाटिल के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने मांग की कि किसानों को पूरी तरह से कर्ज माफी मिलनी चाहिए और सरकार को इसे तुरंत लागू करना चाहिए। राज्य सरकार ने पहले ही किसानों के लिए कर्ज माफी योजना की घोषणा की है, लेकिन विपक्ष का आरोप है कि इस योजना के साथ जोड़ी गई कई सख्त शर्तों के कारण कई पात्र लाभार्थी इसके लाभ से वंचित रह जाएंगे।

आशा भोसले और सुमन कल्याणपुर को दी गई श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को दिवंगत पार्श्व गायिकाओं आशा भोसले और सुमन कल्याणपुर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सम्मान में कुछ पलों का मौन रखा। विधानसभा सत्र के पहले दिन, अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शोक प्रस्ताव पढ़ा, जिसके बाद सदन ने एक मिनट का मौन रखकर दोनों दिवंगत गायिकाओं को श्रद्धांजलि दी। सदन ने इसके अलावा पूर्व सदस्यों अनंतराव थोपटे, विट्ठलराव धोते, बलिराम कोटकड़ पाटील, कृष्णराव देशमुख, पटल्या मावस्कर, वसंतराव सूर्यवंशी, सुरेश कुमार जेठलिया, ऊषा देवी जगदाले और शंकुतला शर्मा के निधन पर भी शोक व्यक्त किया।

विधानमंडल में चेहरा पहचान प्रणाली से मिलेगा प्रवेश

महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में प्रवेश मंगलवार से चेहरा पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन सिस्टम) के जरिए होगा। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने प्रणाली में पंजीकरण में परेशानी का सामना कर रहे पत्रकारों, अधिकारियों और कर्मचारियों को एक दिन की छूट भी दी है। विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सदन में कहा कि चेहरा पहचान प्रणाली को लागू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि विधान भवन में प्रवेश चेहरा पहचान प्रणाली के माध्यम से ही होगा। अब तक अधिकांश विधायकों का पंजीकरण पूरा हो चुका है और उनका प्रवेश सुचारू रूप से हो रहा है। नार्वेकर ने कहा कि तकनीकी दिक्कतों के कारण कुछ पत्रकार, अधिकारी और कर्मचारी इस प्रणाली में अपना पंजीकरण पूरा नहीं कर पाए, इसलिए उन्हें आज छूट दी गई है और पहचान पत्रों के आधार पर प्रवेश की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मंगलवार से विधानमंडल परिसर में प्रवेश केवल इसी प्रणाली के माध्यम से ही दिया जाएगा।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव रिजल्ट: एमवीए का सूपड़ा साफ, बागी गोकुल गीते की जीत

17 में 16 सीटों पर महायुति की जीत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र की 17 विधान परिषद सीटों के लिए हुए चुनाव में 16 सीटों पर सत्तारूढ़ महायुति ने जीत हासिल की है। लेकिन एक सीट पर भाजपा के बागी उम्मीदवार गोकुल गीते को निर्दलीय उम्मीदवार को रूप में मिली विजय ने सभी को चौंका दिया है। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी को एक भी सीट हासिल नहीं हुई। स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से हुए 17 सीटों के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के छह उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। शेष 11 सीटों के लिए 18 जून को मतदान हुआ था। सोमवार को इन 11 सीटों के चुनाव परिणाम आने के बाद कुल 17 में से 11 सीटों पर भाजपा, तीन सीटों पर शिवसेना, दो सीटों पर राष्ट्रवादी एवं एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई है। नाशिक क्षेत्र में शिवेसना को हरानेवाला यह निर्दलीय उम्मीदवार भी भाजपा के बागी उम्मीदवार गोकुल गीते हैं।

एमवीए का नहीं खुला खाता

विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी का कहीं खाता भी नहीं खुल सका है। चूंकि कुछ माह पहले महाराष्ट्र में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी महाविकास आघाडी का सूपड़ा साफ हो गया था, इसलिए उन्हीं निकायों में चुने गए प्रतिनिधियों के मत से होनेवाले इन चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन को मिलनेवाली भारी सफलता संभावित भी थी।

गीते ने दराडे को हराया

सबसे ज्यादा चकित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में गोकुल गीते की जीत कर रही है। उन्होंने शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को हराया है। उनकी सीट का चुनाव शुरुआत से ही बड़ा दिलचस्प रहा था। कुल 618 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। वैध मतों के आधार पर जीत के लिए 303 मतों का कोटा तय किया गया था। गोकुल गीते ने 357 वोट हासिल कर पहले ही दौर में जीत दर्ज कर ली।

शिवसेना-भाजपा के बीच खींचतान

नाशिक के परिणाम को अहम इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि अपनी पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के कहने पर गोकुल गीते ने अपना प्रचार बंद कर दिया था। लेकिन नाम वापसी की अंतिम तारीख गुजर जाने के कारण मतपत्र पर उनका नाम बना रह गया था। भाजपा-शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के बाद गोकुल गीते ने कहा था कि वह आगे अपना चुनाव प्रचार नहीं करेंगे। उन्होंने प्रचार रोक भी दिया था। लेकिन समर्थक उनका प्रचार लगातार करते रहे।

हिंदमाता एंकर: 22 से 25 जून के बीच कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी

महाराष्ट्र में मानसून की एंट्री, मुंबई समेत कई राज्यों में झमाझम बारिश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश में मॉनसून अब और आगे बढ़ चुका है। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों के साथ-साथ महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक के बाकी बचे इलाकों, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों और ओडिशा, झारखंड और बिहार के अन्य इलाकों में अपनी एंट्री कर ली है।

कोंकण-गोवा में बढ़ेगी बारिश की गतिविधि

आईएमडी के अनुसार 21 और 22 जून को कोंकण और गोवा में छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके बाद 23 जून से 27 जून के बीच क्षेत्र में बारिश की गतिविधियां तेज होने और कई इलाकों में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि 22 से 25 जून के बीच कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा के कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। साथ ही 22 से 27 जून के दौरान कोंकण और गोवा के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

कहां तक पहुंची मानसून की उत्तरी सीमा?

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अरब सागर के ऊपर से होते हुए अलीबाग, पुणे, निजामाबाद, दांतेवाड़ा, बलांगीर, सुंदरगढ़, चतरा, गया जी और मुजफ्फरपुर से गुजर रही है। इसके बाद यह सीमा नेपाल बॉर्डर के पास तक पहुंच जाती है। इसका मतलब यह है कि बिहार का काफी बड़ा हिस्सा अब मानसून के दायरे में आ गया है।

अगले 48 घंटे में कहां बढ़ेगा मानसून?

मौसम विभाग ने बताया है कि अगले 48 घंटों में मानसून के और आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल बना हुआ है। इसका फायदा मुंबई समेत महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों को मिलेगा। तेलंगाना और ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में भी अगले दो दिनों में मानसून एंट्री लेगा।

कोंकण-गोवा में बढ़ेगी बारिश की गतिविधि

आईएमडी के अनुसार 21 और 22 जून को कोंकण और गोवा में छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके बाद 23 जून से 27 जून के बीच क्षेत्र में बारिश की गतिविधियां तेज होने और कई इलाकों में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि 22 से 25 जून के बीच कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा के कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। साथ ही 22 से 27 जून के दौरान कोंकण और गोवा के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

ठाणे में बढ़ा जल संकट, जलाशयों का स्तर घटा

•बारिश में देरी से पानी कटौती का फैसला, कई इलाकों में साप्ताहिक जलापूर्ति बंद

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

जून का चौथा सप्ताह शुरू होने के बावजूद मानसून की संतोषजनक बारिश नहीं होने से जलाशयों का जलस्तर लगातार घट रहा है। उपलब्ध जल भंडार के नियोजन के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) द्वारा 20 प्रतिशत पानी कटौती लागू किए जाने के बाद ठाणे महानगरपालिका ने मुंब्रा, कलवा और दिवा क्षेत्रों में सप्ताह में एक बार लगातार 48 घंटे जलापूर्ति बंद रखने का निर्णय लिया है।

अन्य क्षेत्रों पर भी असर

पालिका सूत्रों के अनुसार स्टेम प्राधिकरण और महानगरपालिका की जलापूर्ति योजनाओं में भी कटौती लागू होने की संभावना है। यदि ऐसा हुआ तो ठाणे शहर, वागले एस्टेट तथा घोड़बंदर क्षेत्र में सप्ताह में एक बार लगातार 24 घंटे पानी की आपूर्ति बंद रखनी पड़ सकती है।

जरूरत से कम मिल रहा पानी

ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र की आबादी लगभग 27 लाख है। इस जनसंख्या के लिए प्रतिदिन 621 मिलियन लीटर पानी की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में केवल 590 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति हो रही है। इस प्रकार शहर को प्रतिदिन 31 मिलियन लीटर पानी कम मिल रहा है। बढ़ती आबादी के कारण जल संकट की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

टैंकरों पर बढ़ी निर्भरता

घोड़बंदर, ठाणे, कलवा, मुंब्रा और दिवा क्षेत्रों में कई नागरिकों को टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है। महानगरपालिका भी प्रतिदिन 100 से 125 टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति कर रही है। पहले शहर में पंद्रह दिनों में एक बार पानी बंद रखा जाता था और क्षेत्रवार योजना के तहत केवल 12 घंटे की कटौती की जाती थी, लेकिन अब जल संकट बढ़ने के कारण साप्ताहिक जल कटौती लागू की जा रही है।

कहां से आता है पानी

शहर को मिलने वाले 590 मिलियन लीटर पानी में से 250 मिलियन लीटर महानगरपालिका की अपनी योजना से, 135 मिलियन लीटर एमआईडीसी से, 115 मिलियन लीटर स्टेम प्राधिकरण से तथा 85 मिलियन लीटर बृहन्मुंबई महानगरपालिका से प्राप्त होता है। एमआईडीसी का पानी मुख्य रूप से कलवा, मुंब्रा, दिवा, वागले के कुछ हिस्सों और कोलशेत क्षेत्र को दिया

48 घंटे पानी रहेगा बंद

एमआईडीसी द्वारा 20 प्रतिशत जल कटौती लागू किए जाने के कारण 23 जून 2026 की रात 12 बजे से 25 जून 2026 की रात 12 बजे तक कुल 48 घंटे जलापूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान दिवा, मुंब्रा (वार्ड 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर), कलवा क्षेत्र के सभी भागों, वागले प्रभाग के रूपादेवी पाड़ा, किसननगर नंबर-2, नेहरूनगर तथा मानपाड़ा प्रभाग के अंतर्गत कोलशेत खालचा गांव में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। महानगरपालिका ने बताया कि जलापूर्ति बहाल होने के बाद भी एक से दो दिनों तक कम दबाव से पानी मिलेगा।

फ्लैट से 20 किलो गांजा बरामद

महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शांतिनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फ्लैट से 20 किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत 6.32 लाख रुपए बताई गई है।

सूटकेस में छिपा था गांजा

पुलिस के अनुसार, 20 जून 2026 को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर शांतिनगर क्षेत्र स्थित अरिहंत कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान नीले और लाल रंग की सूटकेसों में प्लास्टिक की बोरियों में छिपाकर रखा गया 20 किलो 760 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जांच में पता चला कि आरोपियों ने इसे बिक्री के उद्देश्य से अपने कब्जे में रखा था।

दो आरोपी गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मिंटू (40), निवासी अरिहंत कॉम्प्लेक्स, तथा दुर्गा (43), निवासी टेमघर, भिवंडी को गिरफ्तार किया। दोनों को 20 जून की रात हिरासत में लिया गया। इस संबंध में शांतिनगर पुलिस थाने में एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8(क) और 20(ब)(ii)(क) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गांजा कहां से लाया गया और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी, इसकी गहन जांच की जा रही है। सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश गायकर के नेतृत्व में जांच जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि जांच आगे बढ़ने के साथ नशे के इस नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

नाशिक-त्र्यंबकेश्वर मार्ग पर निर्माण कार्य और अवैध कब्जों के चलते हर दिन लग रहा महाजाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

शहर के सारडा सर्कल इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर ताबड़तोड़ कार्रवाई करने वाले मनपा प्रशासन पर अब दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मनपा सातपूर संभाग में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की ओर जानबूझकर आंखें मूंद रही है। नाशिक-त्र्यंबकेश्वर मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य चलने के कारण पहले से ही यातायात का दबाव बढ़ा हुआ है, और अब त्र्यंबक रोड पर हुए अवैध अतिक्रमणों ने नागरिकों के गुस्से को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

जाम के परिणाम से हो सकता है दुर्घटना

वर्तमान में नाशिक-त्र्यंबकेश्वर रोड का काम शुरू होने की वजह से सातपूर इलाके में सिंगल लेन से ही दोनों तरफ का यातायात संचालित हो रहा है। इसके चलते दिन के अधिकांश समय इस मार्ग पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग जाती हैं। इस संकट के बीच, सातपूर कॉलोनी क्षेत्र में सड़क के दोनों किनारों पर फल विक्रेताओं, मिसल विक्रेताओं और चिकन व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण सड़क और संकरी हो गई है। परिणामस्वरूप, वाहन चालकों को रोजाना भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी काफी बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कई व्यवसायियों ने सड़क किनारे की जगहों पर अवैध कब्जा जमा लिया है, जिससे वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम गई है। सुबह स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों के समय तथा शाम को भीड़ के दौरान स्थिति और भी बदतर हो जाती है। इस ट्रैफिक जाम के कारण नागरिकों का कीमती समय तो बर्बाद हो ही रहा है, साथ ही ईंधन का भी भारी अपव्यय हो रहा है।

ऑनलाइन शिकायत करने पर भी नही हो रही कार्यवाई

विशेष बात यह है कि स्थानीय लोगों ने इस अतिक्रमण के खिलाफ मनपा के अतिक्रमण विभाग में बार-बार शिकायतें दर्ज कराई हैं। नागरिकों का दावा है कि ऑनलाइन शिकायतें करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे मनपा की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। लोगों का पूछना है कि जब शहर के अन्य हिस्सों में अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जा रही है, तो सातपूर के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है? निवासियों का कहना है कि सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी जान हथेली पर रखकर चलना पड़ रहा है। अब त्र्यंबक रोड को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए तत्काल विशेष अभियान चलाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। श्रीराम हाइट्स के चेयरमैन विजय पाटिल ने कहा कि सातपूर के त्र्यंबक रोड पर अतिक्रमण की वजह से रोजाना भारी ट्रैफिक जाम लग रहा है। महानगरपालिका को शहर के अन्य इलाकों की तरह यहाँ भी तुरंत कार्रवाई कर सड़क खाली करानी चाहिए। हमारी सोसाइटी के सामने फैले अतिक्रमण को लेकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

हैवानियत की घटना से पूरे परिसर में नाराजगी

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण में एक चौंकाने वाली घटना हुई है जिसमें दो लोगों ने एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने अख्तर मनियार और सलीम शेख दोनों को गिरफ्तार किया है। दोनो आरोपियों की उम्र लगभग 60 साल बताया जा रहा है। यह घटना कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी पुलिस थाने की हद में हुई। यहां एक घर से 15 साल की लड़की के चीखने की आवाज आ रही थी। लड़की के चीखने पर आस-पास रहने वाले लोग जाग गए। जब लोग घर में गए तो देखा कि पूरे घर में खून फैला हुआ था। लोगों ने इसकी जानकारी कोलसेवाड़ी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में अभी तक पुलिस की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी बहुत ही चौंकाने वाली है। आरोपियों में अख्तर मनियार और सलीम शेख का नाम सामने आया है। दोनों रात में एक पंद्रह साल की लड़की को घर लाए थे। पता चला है कि घर में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। कोलसेवाड़ी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ।

भिवंडी में चोरी और मारपीट के तीन मामले

अलग-अलग घटनाओं में पुलिस ने दर्ज किए केस

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी में चोरी और मारपीट की तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। पहली घटना शांतिनगर क्षेत्र के टेमघर स्थित एक निमार्णाधीन परियोजना की है। यहां अज्ञात चोर छह लोहे की प्लेटें चोरी कर फरार हो गया। ठेकेदार की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। चोरी गई सामग्री की कीमत करीब 9 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पार्किंग विवाद में मारपीट

दूसरी घटना कारिवली गांव के सुभाषनगर इलाके की है, जहां सार्वजनिक पार्किंग को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि कहासुनी के दौरान एक युवक के साथ मारपीट की गई और उस पर फरशी (टाइल) का टुकड़ा फेंका गया। हमले में युवक की उंगली में फ्रैक्चर हो गया। भोईवाडा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक हटाने पर हमला

तीसरी घटना शांतिनगर क्षेत्र में सामने आई, जहां गोदाम के सामने खड़ी मोटरसाइकिल हटाने को लेकर विवाद हो गया। शिकायत के अनुसार, मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और एक युवक पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गया। शांतिनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एआई इंजीनियरिंग का नया बी.टेक कार्यक्रम शुरू

अपग्रेड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी और एडीवायपीयू की साझेदारी, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप होगा प्रशिक्षण

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

अपग्रेड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी (यूजीएसओटी) और अजींक्य डीवाय पाटील यूनिवर्सिटी (एडीवायपीयू) ने संयुक्त रूप से चार वर्षीय आवासीय बी.टेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यूजीसी मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ एआई और आधुनिक तकनीकों से जुड़ा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। पहला बैच अगस्त-सितंबर 2026 से शुरू होगा।

उद्योग आधारित पाठ्यक्रम

कार्यक्रम के तहत एडीवायपीयू कैंपस, आवासीय सुविधाएं और बी.टेक डिग्री उपलब्ध कराएगी, जबकि यूजीएसओटी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम, विशेषज्ञों की कक्षाएं और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण उपलब्ध कराएगी। पाठ्यक्रम को हर छह महीने में अपडेट किया जाएगा तथा छात्रों को पहले सेमेस्टर से ही कोडिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट का अनुभव मिलेगा।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

छात्रों को स्टार्टअप संस्थापकों, वरिष्ठ कॉर्पोरेट अधिकारियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ नियमित संवाद का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में फुल स्टैक एआई एवं क्लाउड इनोवेशन, एआई एवं क्वांटम कंप्यूटिंग तथा एआई एवं जनरेटिव एआई इंजीनियरिंग जैसे तीन विशेष क्षेत्रों में अध्ययन का विकल्प दिया जाएगा।

नेताओं की प्रतिक्रिया

एडीवायपीयू के चांसलर डॉ. अजींक्य डी. वाई. पाटिल ने कहा कि शिक्षा को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित होना चाहिए और यह साझेदारी छात्रों को डिग्री के साथ रोजगारोन्मुख कौशल भी प्रदान करेगी। वहीं यूजीएसओटी के सीईओ विश्वा मोहन ने कहा कि यह पहल उद्योग और इंजीनियरिंग शिक्षा के बीच मौजूद अंतर को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रोजगार पर फोकस

तकनीकी शिक्षा के साथ सात सेमेस्टर का स्टार्टअप ट्रैक भी शामिल किया गया है, जिससे छात्रों में नेतृत्व, नवाचार और उद्यमिता के गुण विकसित होंगे। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्रों को अपग्रेड के 3,000 से अधिक भर्ती साझेदारों के नेटवर्क और करियर सहायता सेवाओं का लाभ मिलेगा। संस्थानों का दावा है कि यह कार्यक्रम एआई-केंद्रित शिक्षा के माध्यम से इंजीनियरिंग छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

धीरेंद्र शास्त्री के बैनर पर कालिख

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र शास्त्री के स्वागत में लगाए गए बैनरों को लेकर रविवार को भिवंडी में विवाद खड़ा हो गया। शेतकरी संगठन के कार्यकर्ताओं ने ठाणे-भिवंडी बाईपास मार्ग पर लगे एक स्वागत बैनर पर धीरेंद्र शास्त्री की तस्वीर पर कालिख पोतकर विरोध जताया। जानकारी के अनुसार, धीरेंद्र शास्त्री 22 जून को भिवंडी हाईवे स्थित दिवे क्षेत्र में आयोजित बागेश्वर धाम के 'दरबार' कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। इसी के मद्देनजर विभिन्न स्थानों पर उनके स्वागत के बैनर लगाए गए थे। इन बैनरों में धीरेंद्र शास्त्री के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज का चित्र भी लगाया गया था।

शेतकरी संगठन के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कुछ दिन पहले नागपुर में धीरेंद्र शास्त्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी के विरोध में कार्यकर्ताओं ने बैनर पर कालिख पोतकर अपना रोष व्यक्त किया।

घटना के बाद धीरेंद्र शास्त्री के समर्थकों और शेतकरी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई। स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर माहौल शांत कराया। पुलिस की मौजूदगी में सड़क किनारे लगाए गए स्वागत बैनरों को हटवा दिया गया, जिसके बाद मामला शांत हो गया।

फर्जी क्लीनिक पर छापा

दवाइयां और उपकरण जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा पूर्व के पेल्हार क्षेत्र में बिना वैध पंजीकरण और आवश्यक सरकारी अनुमति के क्लीनिक संचालित करने के आरोप में एक कथित डॉक्टर के खिलाफ पेल्हार पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग की शिकायत के आधार पर की गई। पुलिस ने क्लीनिक पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में दवाइयां, इंजेक्शन और चिकित्सा उपकरण जब्त किए हैं।

क्लीनिक पर छापेमारी

पुलिस के अनुसार 20 जून को पेल्हार पाड़ा स्थित इच्छापूर्ति चाल में संचालित 'आशा दवाखाना' पर छापा मारा गया। जांच के दौरान पाया गया कि क्लीनिक संचालक डॉ. अखिलेश कुमार नन्हेलाल गुप्ता (35) आवश्यक शासकीय अनुमति और वैध पंजीकरण के बिना एलोपैथिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा था।

उपकरण और दवाइयां जब्त

छापेमारी के दौरान पुलिस ने ब्लड प्रेशर मशीन, ग्लूकोमीटर, थर्मामीटर, स्टेथोस्कोप सहित विभिन्न चिकित्सा उपकरण जब्त किए। इसके अलावा बड़ी संख्या में दवाइयां, इंजेक्शन तथा कुछ शैक्षणिक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। जब्त सामग्री की जांच की जा रही है।

शॉर्ट स्टोरी

पोइसर में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांदिवली पूर्व के वार्ड क्रमांक 24 स्थित जम्बो झोपड़पट्टी पोइसर में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत ड्रग्स कारोबार से जुड़े अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान उन कई संरचनाओं को ध्वस्त किया गया, जहां कथित रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। स्थानीय नगरसेविका स्वाती संजय जायसवाल और क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से इन अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। अभियान के बाद क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। नगरसेविका स्वाती जायसवाल ने कहा कि वार्ड के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के साथ स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पूरे वार्ड को नशामुक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है और इसकी शुरुआत पोइसर से हो चुकी है। जायसवाल ने इस कार्रवाई के लिए पुलिस और मनपा प्रशासन की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा और पोइसर को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के लिए अभियान जारी रहेगा।

डॉ. जरीना अंसारी को पीएचडी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी स्थित शाद आदम शेख टेक्निकल हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज की शिक्षिका डॉ. जरीना अंसारी को मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा भौतिक विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनकी इस उपलब्धि से शैक्षणिक क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। डॉ. जरीना अंसारी ने अध्यापन कार्य तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अपना शोध कार्य पूरा किया। उनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, समर्पण और निरंतर प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि उनका शोध कार्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक साबित होगा। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। शाद आदम शेख टेक्निकल हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज के प्रबंधन, शिक्षकों तथा कर्मचारियों ने डॉ. जरीना अंसारी को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना की है।

ग्राहक सेवा शिविर में उमड़े उपभोक्ता

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और विद्युत सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टोरेंट पावर और महावितरण द्वारा चावींद्रा स्थित अर्श ग्राहक सेवा कार्यालय में संयुक्त ग्राहक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। 17 जून को आयोजित इस विशेष शिविर में 500 से अधिक उपभोक्ताओं ने भाग लेकर विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से सीधे संवाद किया। शिविर में महावितरण के पुराने लंबित बिजली बिलों और बकाया राशि से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। महावितरण के अधिकारियों ने पात्र उपभोक्ताओं को आंशिक भुगतान (पार्ट पेमेंट) की सुविधा उपलब्ध कराते हुए उनकी शिकायतों का निस्तारण किया। वहीं टोरेंट पावर के अधिकारियों ने बिलिंग, विजिलेंस, नए कनेक्शन, बिजली आपूर्ति और अन्य सेवा संबंधी विषयों पर उपभोक्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान बिजली चोरी की रोकथाम, डिजिटल भुगतान सेवाओं के उपयोग, विद्युत सुरक्षा उपायों तथा ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर में टोरेंट पावर के महाप्रबंधक अंकित साहा, राघवेंद्र राव, विजय राणे, प्रशांत कुलकर्णी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उपभोक्ताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और जनहितकारी बताया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की जानकारी दी।

महिला का मंगलसूत्र झपटा

सीसीटीवी फुटेज वायरल, सोसायटी में हुई घटना

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

कामोठे क्षेत्र की एक हाउसिंग सोसायटी में महिला के गले से मंगलसूत्र झपटकर फरार होने की घटना सामने आई है। पूरी वारदात सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके की महिलाओं में भय का माहौल है। कामोठे पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बढ़ रही हैं झपटमारी की घटनाएं

कामोठे, खांदेश्वर और पनवेल क्षेत्रों में पैदल चलने वाली महिलाओं को निशाना बनाकर सोने की चेन और मंगलसूत्र चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कुछ दिन पहले वडाले तालाब क्षेत्र में भी इसी तरह एक महिला की सोने की चेन झपटकर बदमाश फरार हो गए थे। शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे कामोठे स्थित अजिंक्यतारा हाउसिंग सोसायटी में यह ताजा घटना हुई।

पीछा कर बनाया निशाना

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, एक अज्ञात युवक महिला का पीछा कर रहा था। जब महिला सोसायटी की सीढ़ियों से अपने घर की ओर जा रही थी, तभी आरोपी ने अचानक उसके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और मौके से भाग निकला। कुछ ही सेकंड में हुई इस घटना से महिला घबरा गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

आरोपी की तलाश जारी

घटना के बाद पीड़िता ने कामोठे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है तथा उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विमल बिडवे ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंचने में पुलिस को मदद मिलने की उम्मीद है। इस घटना के बाद क्षेत्र की महिलाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है।

हिंदमाता एंकर: मीरा-भायंदर की 22 सड़कें अब भी अधूरी, मंत्री सरनाईक ने डीसीएम शिंदे से लगाई थी गुहार

500 करोड़ का लोन अटकाने से सीसी रोड ठेकेदारों को भुगतान का इंतजार

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले के मीरा- भायंदर शहर में चल रहे सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्यों की रफ्तार अब 500 करोड़ रुपए के लोन पर आकर अटक गई है। मनपा द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्यों के ठेकेदारों का करोड़ों रुपए का भुगतान लंबित है, क्योंकि मनपा को इंडियन बैंक से स्वीकृत लोन की राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है ।बता दें कि 2 साल पहले मीरा-भायंदर में लगभग 45 किमी लंबी 84 सड़कों के कंक्रीटीकरण का निर्णय लिया गया था।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने उठाई आवाज

इन कार्यों का पूरा वित्तीय भार मनपा पर न पड़े, इसके लिए एकनाथ शिंदे से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एमएमआरडीए के माध्यम से 21.80 किमी लंबी 47 सड़कों का निर्माण कराने का आग्रह किया था। स्वीकृति मिलने के बाद एमएमआरडीए ने काम शुरू किया, लेकिन अब तक केवल 25 सड़कें ही पूरी हो सकी हैं, जबकि 22 सड़कें अभी भी अधूरी हैं। वहीं, मनपा ने 23.79 किमी लंबी 37 सड़कों के कंक्रीटीकरण की जिम्मेदारी अपने स्तर पर ली थी। पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं होने के कारण मनपा ने इन कार्यों को पूरा करने के लिए करीब 900 करोड़ रुपए का लोन लेने का प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को भेजा था। सरकार की मंजूरी के बाद पहले चरण में 500 करोड़ रुपए का लोन बैंक ऑफ बड़ौदा से लेने का निर्णय हुआ था। बैंक ने लोन का प्रस्ताव मंजूर भी कर दिया, लेकिन बाद में मनपा ने स्वयं लोन लेने से पीछे हटने के कारण बैंक ने मंजूरी रद्द कर दी। इसके बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक द्वारा एकनाथ शिंदे के समक्ष मामला उठाए जाने पर मनपा प्रशासन ने पुन: लोन की प्रक्रिया शुरू की।

इंडियन बैंक की मंजूरी पर सरकार की अंतिम स्वीकृति है बाकी

कई बैंकों द्वारा लोन देने में असमर्थता जताने के बाद आखिरकार इंडियन बैंक ने 500 करोड़ रुपए के लोन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि, राज्य सरकार की अंतिम स्वीकृति के अभाव में यह राशि अभी तक मनपा को नहीं मिल सकी है। ठाणे मनपा प्रशासन ने इस संबंध में सरकार को पत्र भी भेजा है। मनपा प्रशासन अनुसार, जब तक लोन की राशि प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक सीसी सड़क निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों के लंबित बिलों का भुगतान नहीं किया जाएगा। इससे ठेकेदारों में चिंता बढ़ गई है और शहर के कई सड़क परियोजनाओं की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सांसदों तक तो ठीक, विधायकों की क्या जरूरत?

शिंदे के 'ऑपरेशन टाइगर' पर बीजेपी विधायक आशीष देशमुख ने उठाया सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 लोकसभा सांसदों के पाला बदलने की खबरों के बीच शुरू हुआ 'ऑपरेशन टाइगर' अब सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर ही कलह का कारण बनता दिख रहा है। नागपुर की सावनेर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर विधायक डॉ. आशीष देशमुख ने सोमवार (23 जून 2026) को एक ऐसा बयान दिया है, जिसने एकनाथ शिंदे और महायुति के रणनीतिकारों को असहज कर दिया है। आशीष देशमुख ने विपक्षी सांसदों को पाले में लाने का तो स्वागत किया है, लेकिन राज्य स्तर पर विपक्षी विधायकों को गठबंधन में शामिल करने की नीति पर सीधे और तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। देशमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब शिवसेना के दो प्रमुख विधायकों ने भी उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर आधिकारिक रूप से शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल होने के संकेत दिए हैं। बीजेपी विधायक के सवाल से शिंदे खेमे में हड़कंप मचा हुआ

महाराष्ट्र में इसकी क्या जरूरत

बीजेपी विधायक आशीष देशमुख ने मीडिया से खुलकर बात करते हुए शीर्ष नेतृत्व की इस रणनीति पर अपनी असहमति जताई। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा संसद में कई अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित विधेयकों को बिना किसी बाधा के पारित कराने के लिए विपक्षी सांसदों का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में स्वागत करना एक सही और व्यावहारिक कदम है। मैं उनके इस फैसले का दिल से स्वागत करता हूं। लेकिन मेरा सीधा सवाल यह है कि क्या हमें महाराष्ट्र की प्रांतीय राजनीति में भी विपक्षी विधायकों को तोड़ने की वाकई कोई आवश्यकता है?

विधायकों को फोड़े तो अपनों के साथ होगा अन्याय'

आशीष देशमुख ने सूबे के विधायी आंकड़ों का हवाला देते हुए गठबंधन के मूल कार्यकर्ताओं और नेताओं की चिंता को सामने रखा। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं और वर्तमान में हमारे सत्तारूढ़ गठबंधन के पास पहले से ही 237 विधायकों का प्रचंड और दो-तिहाई से अधिक का बहुमत है। इस विशाल कुनबे में भाजपा, शिवसेना और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के निष्ठावान सदस्य शामिल हैं। यदि हम बाहर से और अधिक विपक्षी विधायकों को अपनी पार्टी या गठबंधन में ठूंसते रहेंगे, तो इससे पहले से जमीन पर काम कर रहे महायुति के मौजूदा विधायकों और समर्पित कार्यकर्ताओं की स्थिति कमजोर होगी, जो कि उनके साथ सरासर अन्याय होगा। दरअसल, यह पूरा अंदरूनी विवाद तब सतह पर आया जब हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिए थे कि आगामी दिनों में महा विकास अघाड़ी के कई और बड़े चेहरे तथा विधायक पाला बदलकर उनके साथ आ सकते हैं।

उद्धव ठाकरे ने बुलाई विधायकों की बैठक

• 3 विधायक अनुपस्थित, ऑपरेशन टाइगर के अगले चरण की सुगबुगाहट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को लेकर मचे घमासान के बीच एक और बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। संसद के बाद अब उद्धव ठाकरे के विधायी दल में भी बड़ी दरार पड़ने के स्पष्ट संकेत मिलने लगे हैं। 6 लोकसभा सांसदों की खुली बगावत के बाद सोमवार, 22 जून 2026 शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने स्थिति को संभालने के लिए अपने सभी विधायकों की एक बेहद महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक बुलाई थी। लेकिन, इस बैठक की शुरुआत होते ही मातोश्री खेमे के होश उड़ गए, क्योंकि पार्टी के तीन प्रमुख विधायक इस बैठक से नदारद पाए गए हैं। इन तीन विधायकों की अनुपस्थिति के बाद राजनीतिक गलियारों में यह सुगबुगाहट तेज हो गई है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 'ऑपरेशन टाइगर' का अगला चरण अब विधायकों को टारगेट करने के लिए शुरू हो चुका है।

शिंदे आवास पर 2 घंटे से महामंथन

दूसरी तरफ, मुंबई में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आधिकारिक आवास पर सियासी हलचल अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है। शिवसेना (यूबीटी) से नाता तोड़कर आए सभी 6 बागी सांसद एकनाथ शिंदे के बंगले पर मौजूद हैं, जहां पिछले दो घंटों से बंद कमरे में महामंथन चल रहा है। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि इस 'ऑपरेशन टाइगर' को सफल बनाने के बदले इनाम के तौर पर सांसद संजय जाधव और धराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर को केंद्र या राज्य स्तर पर बड़ा मंत्री पद सौंपे जाने की पूरी संभावना बन रही है। इस बैठक के बाद ये सभी सांसद आधिकारिक रूप से शिंदे की शिवसेना का दामन थाम लेंगे।

बैठक से गायब हुए 3 प्रमुख विधायक

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में शुरू हुई इस बैठक में विधायक संजय पोटनिस, विधायक संजय दारेकर और विधायक राहुल पाटिल उपस्थित नहीं हुए हैं। इन तीनों विधायकों के अचानक फोन बंद होने और बैठक से दूरी बनाने के कारण ठाकरे गुट के भीतर हड़कंप मच गया है। इससे पहले जब उद्धव ने सांसदों की बैठक बुलाई थी, तब भी 9 में से केवल 4 सांसद ही पहुंचे थे और उसके ठीक बाद 6 सांसदों ने बगावत कर दी थी। इसी पुराने पैटर्न को देखते हुए अब विधायकों के भी पाला बदलने का डर सताने लगा है, जिसके मद्देनजर बैठक स्थल और मातोश्री के बाहर पुलिस सुरक्षा को चाक-चौबंद कर दिया गया है।

बैकफुट पर आए उद्धव ठाकरे का बड़ा फैसला

सांसदों के बाद अब विधायकों के भी हाथ से निकलने की आशंका के बीच उद्धव ठाकरे ने संगठन को बिखरने से बचाने के लिए एक बड़ा और आक्रामक फैसला लिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे अब मुंबई में बैठने के बजाय सीधे जमीन पर उतरेंगे। वे आने वाले कुछ ही दिनों में उन सभी लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का धुआंधार दौरा करेंगे, जहां के जनप्रतिनिधियों ने उनके साथ विश्वासघात किया है। उद्धव इन क्षेत्रों में जाकर सीधे जनता की अदालत में अपनी बात रखेंगे और बागियों के खिलाफ माहौल तैयार करेंगे। हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों को देखकर साफ है कि महायुति की इस व्यूहरचना ने उद्धव सेना को पूरी तरह बैकफुट पर ला

6 गद्दारों को जन्म देकर शिंदे ने तोड़ा केन्या की महिला का रेकॉर्ड

संजय राउत बोले प्रेग्नेंट थे एकनाथ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में जुबानी जंग अक्सर मर्यादा की सीमाओं को लांघती नजर आती है, लेकिन शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए एक ऐसा बयान दिया है जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए राउत ने शिंदे पर तंज कसते हुए उन्हें प्रेग्नेंट बता दिया और कहा कि उन्होंने छह गद्दार सांसदों को जन्म दिया है। संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास नंदनवन का जिक्र करते हुए बेहद व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वहां अब पालना हिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, केन्या में एक महिला ने पांच बच्चों को जन्म देकर रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन यहां तो उपमुख्यमंत्री ने छह गद्दारों को जन्म दिया है और उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। राउत का यह गुस्सा दरअसल उद्धव गुट के उन छह बागी सांसदों के प्रति था, जिन्होंने एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया है।

आगे करनी होगी सिजेरियन सर्जरी

राऊत ने इस राजनीतिक घटनाक्रम को एक ऑपरेशन का नाम दिया और कहा कि ऑपरेशन सक्सेस रहा क्योंकि छह गद्दार पैदा हुए हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में यह भी जोड़ा कि स्थिति को संभालने के लिए आगे सिजेरियन सर्जरी करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शिवसेना को तोड़ना महाराष्ट्र को तोड़ने के समान है और गद्दारों की कोई विचारधारा नहीं होती।

निंबालकर पर 15 करोड़ लेने का आरोप

संजय राउत ने विशेष रूप से धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर को निशाने पर लिया। उन्होंने निंबालकर को कुख्यात गद्दार करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्हें पाला बदलने के लिए 15 करोड़ रुपए दिए गए थे और उद्धव ठाकरे उस व्यक्ति को अच्छी तरह जानते हैं जिसने यह रकम दी थी। उन्होंने बागी सांसदों के विकास के दावों को खारिज करते हुए कहा कि केवल चीनी मिलें खड़ी करना विकास नहीं है और 100 करोड़ रुपए जेब में डाल लेना गलत सोच है।

राम मंदिर ट्रस्ट पर भी बरसे

मीडिया से बात करते हुए राऊत ने केवल शिंदे गुट ही नहीं, बल्कि भाजपा और राम मंदिर ट्रस्ट पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर के नाम पर 500 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है और मंदिर का दानपात्र, चांदी व गहने गायब हो गए हैं। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से अपील की कि जिस तरह राम मंदिर को 'लूटा' जा रहा है, उस पर संज्ञान लें। संजय राउत रोज ही अपने बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में दिल्ली में चलती प्रेस कॉन्फ्रेंस में गाली देने के कारण काफी विवाद हुआ था, पर अब संजय राऊत के इस प्रेग्नेंसी वाले बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इससे आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और बढ़ने की संभावना है।

मुंबई में पानी चोरी का बड़ा खुलासा

पवई के फिल्टर पाड़ा में रोजाना हजारों लीटर पानी की अवैध निकासी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

एक ओर मुंबईवासी गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं और प्रशासन लगातार पानी की हर बूंद का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पवई के फिल्टर पाड़ा इलाके में प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की अवैध चोरी किए जाने का मामला बीएमसी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सामने आया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग 20 हजार से लेकर 1 लाख लीटर तक पानी की चोरी होने की आशंका जताई गई है। जानकारी के अनुसार, फिल्टर पाड़ा स्थित मुख्य जल पाइपलाइन पर अवैध कनेक्शन जोड़कर तथा शक्तिशाली सक्शन पंपों का उपयोग कर पानी की चोरी की जा रही थी। इस अवैध निकासी के कारण अधिकृत जल कनेक्शन रखने वाले स्थानीय नागरिकों के घरों में पानी की आपूर्ति लगभग ठप हो गई थी। इस संबंध में स्थानीय लोगों द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बीएमसी के जल अभियंता विभाग ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रूप से इलाके में अचानक छापा मारा।

रैकेट के मास्टरमाइंड को करें गिरफ्तार

उन्होंने मांग की कि केवल सक्शन पंप जब्त करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि इस पूरे रैकेट के मास्टरमाइंड तक पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया जाना उन्होंने कहा कि जब आम नागरिक पानी के लिए परेशान हैं, तब ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस बीच प्रशासन ने भी मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया है। पानी चोरी करने वाले इस गिरोह के खिलाफ केवल सामान्य धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के बजाय सार्वजनिक संपति को नुकसान से संरक्षण संबंधी कानून के तहत कठोर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। चूंकि यह अपराध गैर-जमानती श्रेणी में आ सकता है, इसलिए पानी माफिया में हड़कंप मच गया है।

कुछ को 5 वोट मिले कुछ को शून्य वोट

विधान परिषद चुनाव में महाविकास आघाडी की सबसे बुरी हार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय विधान परिषद चुनाव 2026 के घोषित हुए, नतीजों ने महाविकास अघाड़ी के पैरों तले जमीन खिसका दी है। सूबे की कुल 17 विधान परिषद सीटों पर हुए इस चुनावी संग्राम में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने एकतरफा और प्रचंड बहुमत के साथ 16 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। वहीं, बची हुई एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार का कब्जा रहा है। इस चुनाव में सबसे बड़ा झटका विपक्षी महाविकास अघाड़ी को लगा है, जो अपना खाता खोलने में भी पूरी तरह नाकाम साबित हुई। विपक्ष के लिए यह हार कितनी अपमानजनक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट के कई दिग्गज उम्मीदवारों को दहाई का आंकड़ा छूने के लिए भी तरसना पड़ा है। कहीं विपक्ष को महज 5 वोट नसीब हुए, तो कहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के प्रत्याशी को 'शून्य' (0) वोट पर ही संतोष करना पड़ा, जिसने अघाड़ी के भीतर की अंदरूनी गुटबाजी और क्रॉस वोटिंग की पोल खोलकर रख दी है।

जलगांव में ठाकरे गुट को 5 वोट, अमरावती में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला

चुनाव नतीजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई निर्वाचन क्षेत्रों में महाविकास अघाड़ी की शर्मनाक स्थिति साफ दिखाई देती है। जलगांव सीट पर भाजपा के नंद कुमार महाजन को 577 वोट मिले, जबकि उनके सामने खड़े ठाकरे गुट के शरद तायडे को केवल 5 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। इससे भी बदतर स्थिति अमरावती सीट पर देखने को मिली, जहां भाजपा के डॉ. प्रवीण पोटे ने 390 वोट हासिल कर एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के उम्मीदवार हर्षजीत देशमुख को 'शून्य' वोट मिले। अमरावती में कांग्रेस प्रत्याशी को एक भी वोट न मिलना राज्य के सियासी गलियारों में सबसे बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है।

सोलापुर, नागपुर और संभाजीनगर सहित प्रमुख गढ़ों में महायुति का एकतरफा क्लीन स्वीप

कुल 17 सीटों में से 6 सीटों पर महायुति के उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे, जबकि शेष 11 सीटों के लिए 18 जून को मतदान हुआ था। घोषित परिणामों में सोलापुर से भाजपा के राजेंद्र राऊत ने 483 वोट लेकर शरद पवार गुट के वसंतराव देशमुख (118 वोट) को करारी मात दी। वहीं, नागपुर में भाजपा के डॉ. राजीव पोतदार ने 682 वोट हासिल कर कांग्रेस के अतुल लोन्धे (130 वोट) को बड़े अंतर से पटखनी दी। छत्रपति संभाजीनगर-जालना सीट पर भी भाजपा के सुहास शिरसात 454 वोट पाकर विजयी रहे, जबकि ठाकरे गुट के गणेश लोन्धे केवल 134 वोटों पर सिमट गए। धाराशिव-लातूर-बीड में भाजपा के बसवराज पाटिल ने 845 वोटों का विशाल आंकड़ा छूकर कांग्रेस को पूरी तरह पछाड़ दिया।

महमूद गजनवी ने लूटा था सोमनाथ, बीजेपी लूट रही राम मंदिर

संजय राऊत का बड़ा आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में 'ऑपरेशन टाइगर' और विधान परिषद चुनावों के नतीजों के बाद जुबानी जंग अब बेहद निचले और आक्रामक स्तर पर पहुंच गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अयोध्या राम मंदिर के चंदे और दान-पात्रों में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर अब तक का सबसे तीखा और सीधा हमला बोला है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक विस्फोटक संपादकीय के जरिए उद्धव ठाकरे गुट ने राम मंदिर में हुई कथित हेराफेरी की तुलना इतिहास के सबसे क्रूर लुटेरे महमूद गजनवी से कर दी है। इस संपादकीय के सामने आने के बाद दिल्ली से लेकर मुंबई तक राजनीतिक गलियारों में भारी बवाल मच गया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि श्रद्धालुओं द्वारा भगवान राम को चढ़ाए गए सोने, चांदी, नकदी और आभूषणों की सुरक्षा करने में केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार पूरी तरह विफल रही है।

बीजेपी ने राम मंदिर को लूटा

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने संपादकीय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण के संघर्ष का हवाला देते हुए लिखा, पूरे देश ने अब देख लिया है कि बीजेपी के लिए मंदिर विकास का असली मतलब क्या है। जिस राम मंदिर के लिए हजारों कार सेवकों ने अपना खून बहाया, लाठियां और गोलियां खाईं, आज उसी मंदिर की संपत्ति पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है। जिस तरह इतिहास में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को बेरहमी से लूटा था, ठीक उसी तरह आज की बीजेपी राम मंदिर को लूट रही है। दान-पात्रों से नकदी और आभूषणों की यह कथित चोरी दिखाती है कि वहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा प्रहार

यह हमला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस कोल्हापुर दौरे के ठीक बाद हुआ है, जहां उन्होंने अंबाबाई मंदिर के विकास कार्यों का शिलान्यास किया था और उद्धव ठाकरे पर 'कांग्रेस की गोद में बैठने' का आरोप लगाया था। पलटवार करते हुए 'सामना' ने लिखा, जो लोग राम मंदिर की सुरक्षा नहीं कर सकते, वे महाराष्ट्र आकर हमारे अंबाबाई मंदिर के विकास की बात करने की हिम्मत कर रहे हैं। कम से कम कोल्हापुर के अंबाबाई मंदिर में ऐसी चोरी और डकैती तो कभी नहीं हुई। अमित शाह लगातार उद्धव ठाकरे पर उंगली उठाते हैं, लेकिन खुद अपनी नाक के नीचे हो रहे इस महापाप और राम मंदिर के लुटेरों के संरक्षक बने बैठे हैं।

पिछले 10 वर्षों में प्रमुख मंदिरों को बनाया गया निशाना

संपादकीय में बीजेपी सरकार के पिछले एक दशक के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए दावा किया गया कि देश के कई बड़े और ऐतिहासिक मंदिरों में चोरी तथा वित्तीय अनियमितताओं की घटनाएं सामने आई हैं। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इन मामलों में शामिल संदिग्ध लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी दल से जुड़े हुए हैं, जिसके कारण केंद्रीय एजेंसियां इन पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रही हैं। पार्टी ने इसे देश की जनता की धार्मिक आस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों पर एक बड़ा आघात करार दिया है। बहरहाल, संजय राऊत और 'सामना' के इन बेहद विवादित बयानों पर अब बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आना तय माना जा रहा है।

बेस्ट हड़ताल खत्म लेकिन काम पर नहीं लौटे पूरे कर्मचारी

बस सेवा अब भी बुरी तरह प्रभावित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की दूसरी सबसे बड़ी जीवन रेखा मानी जाने वाली 'बेस्ट' (बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) के कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल रविवार रात को आखिरकार समाप्त हो गई। संयुक्त कामगार कृती समिति के आह्वान पर गुरुवार रात से शुरू हुई इस अनिश्चितकालीन हड़ताल के वापस होने के बाद सोमवार सुबह से कर्मचारियों ने काम पर लौटना शुरू कर दिया है। हालांकि, हड़ताल खत्म होने के बावजूद मुंबईकरों को सोमवार सुबह की व्यस्त पाली में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, क्योंकि बस सेवाएं अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी हैं और सड़कों पर बेहद कम बसें नजर आईं। प्रशासन के मुताबिक, स्थिति को पूरी तरह पटरी पर आने में अभी दो से तीन दिनों का समय और लग सकता है।

आधे कर्मचारी ही पहुंचे ड्यूटी पर

बेस्ट हड़ताल खत्म होने के बावजूद सोमवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार, बेस्ट के बेड़े की कुल स्थिति बेहद कमजोर रही। बेस्ट की अपनी 188 बसों में से 165 बसें ही डिपो से बाहर निकल सकीं। कर्मचारियों की उपस्थिति की बात करें तो 1,454 चालकों (ड्राइवर्स) में से केवल 835 और 2,198 परिचालकों (कंडक्टर्स) में से महज 1,325 ही ड्यूटी पर हाजिर हुए। सबसे खराब स्थिति प्राइवेट ऑपरेटर्स की वेट-लीज बसों की रही, जहां कुल 2,339 बसों में से केवल 1,271 बसें ही सड़कों पर उतरीं। बेस्ट संयुक्त कृती समिति के संयोजक एडवोकेट उदय आंबोणकर ने बताया कि लगातार तीन दिनों के तनाव और थकान के कारण कर्मचारी धीरे-धीरे काम पर आ रहे हैं, जिससे चरणबद्ध तरीके से ही सेवाएं सामान्य होंगी।

12 यूनियनों की एकजुटता के आगे झुकी सरकार

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब बेस्ट की 12 प्रमुख यूनियनों की संयुक्त समिति ने अपनी प्रलंबित मांगों को लेकर गुरुवार रात से चक्का जाम कर दिया था। समिति का आरोप था कि प्रशासन और सरकार तय समयसीमा के भीतर उनके वेतनमान और सेवा शर्तों से जुड़े ठोस फैसले नहीं ले रहे हैं। आखिरकार रविवार को सरकार और बेस्ट प्रबंधन के साथ हुई आपात बैठक में कुछ महत्वपूर्ण मांगों को तत्काल मंजूरी दी गई और शेष मांगों पर लिखित आश्वासन मिला, जिसके बाद देर रात हड़ताल वापसी का फैसला लिया गया।

25 लाख यात्रियों की लाइफलाइन

लोकल ट्रेनों के बाद बेस्ट मुंबई की सबसे महत्वपूर्ण परिवहन व्यवस्था है, जो रोजाना करीब 25 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती है। इसके अलावा, यह दक्षिण मुंबई के 10 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति भी करती है। वर्तमान में बेस्ट के पास कुल 2,700 बसों का बेड़ा है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से मात्र 243 बसें ही बेस्ट के खुद के स्वामित्व की हैं, जबकि बाकी की करीब 90 प्रतिशत बसें वेट-लीज मॉडल पर चल रही हैं। यही कारण है कि सोमवार सुबह काम पर जाने वाले यात्रियों को घंटों इएरळ बस स्टॉप पर इंतजार करना पड़ा और प्रशासन को जनता से सहयोग की अपील करनी पड़ी।

राजधानी एक्सप्रेस को पीछे छोड़ देगी वंदे भारत स्लीपर?

शुरू होंगे ये 9 नए रूट, प्लेन जैसे लग्जरी कैबिन और बहुत कुछ है खास

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

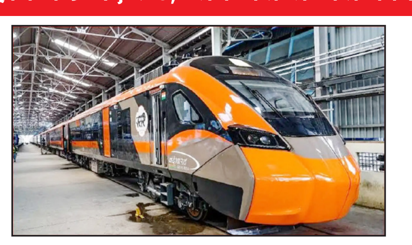

देश की प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत का स्लीपर वर्जन अब लंबी दूरी के यात्रियों के लिए बेहद खास बनने जा रहा है। भारतीय रेलवे रात्रिकालीन सफर को अधिक आरामदायक, सुरक्षित और सुपरफास्ट बनाने के लिए वंदे भारत स्लीपर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है। रेलवे से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, देश के 9 प्रमुख रेल मार्गों पर वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस शुरू करने की अंतिम चरण की तैयारियां चल रही हैं, जिनमें से कुछ रूटों पर आगामी अगस्त महीने से ट्रेन सेवाएं शुरू होने की उम्मीद है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस इस वर्ष (जनवरी 2026) में हावड़ा और गुवाहाटी के बीच शुरू की जा चुकी है, जिसे यात्रियों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। अब रेलवे देश के प्रमुख महानगरों और अंतर-शहरी संपर्क को मजबूत करने के लिए 9 नए और बेहद व्यस्त रूटों पर इसे उतारने जा रहा है। बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के तहत पटरियों को अपग्रेड करने का काम भी युद्धस्तर पर जारी है।

इन 9 रूटों पर शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर सेवा : दिल्ली - मुंबई, मुंबई - बेंगलुरु, नई दिल्ली - अहमदाबाद, नई दिल्ली - हावड़ा, नई दिल्ली - चेन्नई, नई दिल्ली - सिकंदराबाद, नई दिल्ली - पुणे, मुंबई - अहमदाबाद, नई दिल्ली - श्रीनगर।

सुरक्षा के लिए हाईटेक सीसीटीवी

मुंबई-बेंगलुरु और अन्य रूटों के लिए ट्रेन के पहले एसी कोच का आधिकारिक डिजाइन जारी कर दिया गया है। यह अंदर से किसी हवाई जहाज के बिजनेस क्लास जैसा प्रीमियम लुक देता है। केबिन में बेहतर रोशनी, प्रीमियम फिनिशिंग और बर्थ के बीच स्पेस का बेहतरीन उपयोग किया गया है। यात्रियों के लिए हाईटेक वॉशरूम, रियल-टाइम सूचना प्रदर्शन प्रणाली और आरामदायक चढ़ने-उतरने की व्यवस्था है। पूरी ट्रेन में चौबीसों घंटे निगरानी के लिए एडवांस्ड सीसीटीवी कैमरे और मजबूत सुरक्षा उपाय किए गए हैं। दक्षिण भारत और विशेषकर तेलुगु भाषी राज्यों के यात्रियों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। नई दिल्ली और सिकंदराबाद के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस शुरू होने जा रही है।

हिंदमाता एंकर: मेंटेनेंस शुल्क पर 'स्क्वेयर फीट फॉर्मूला' खारिज

हाउसिंग सोसाइटी के फ्लैट मालिकों को बड़ी राहत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

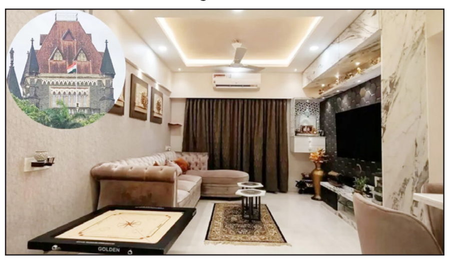

मुंबई सहित आसपास के शहरों की हाउसिंग सोसायटियों में मेंटेनेंस शुल्क को लेकर लंबे समय से जारी विवाद के बीच फ्लैट मालिकों को बड़ी राहत मिली है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी अपीलीय न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अब 'बड़ा घर, बड़ा बिल' का फार्मूला नहीं चलेगा। अदालत ने मेंटेनेंस बिल में 'स्क्वेयर फीट गेम' को खारिज करते हुए सोसायटी की दलील नामंजूर कर दी और कहा कि वर्ष 2000 के सरकारी आदेश के अनुसार सामान्य सेवाओं के लिए सभी सदस्यों से समान शुल्क लिया जाना चाहिए, यह फैसला 12 जून को हुई सुनवाई में सांताक्रूज पश्चिम स्थित वत्सला निवास को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड से जुड़े मामले में सुनाया गया।

बकाया राशि का पूरा लेखा-जोखा देने का निर्देश

सोसायटी ने फ्लैट नंबर 201 के मालिक पर बिल में अचानक 17.26 लाख रुपए बकाया दिखाया था। फ्लैट मालिक पूनम सोनी ने कई बार इस राशि का विस्तृत ब्यौरा मांगा, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सहकारी न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सहकारी न्यायालय ने 28 अप्रैल 2025 को अंतरिम राहत देते हुए विवादित राशि की वसूली पर रोक लगा दी और सोसायटी को स्क्वेयर फीट के आधार पर मेंटेनेंस वसूलने से मना कर दिया, साथ ही 29 अप्रैल 2000 के सरकारी आदेश के अनुसार प्रति फ्लैट समान शुल्क लेने और 3 माह के भीतर बकाया राशि का पूरा लेखा-जोखा देने का निर्देश दिया।

क्षेत्रफल के आधार पर वसूले जा सकते हैं कुछ शुल्क

अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के वीनस को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी बनाम डॉ जे वाई डेटवानी मामले का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि सुरक्षा, लिफ्ट, सफाई और कॉमन बिजली जैसी सुविधाओं के लिए सभी सदस्यों से समान शुल्क लिया जाना चाहिए। हालांकि, सिंकिंग फंड, प्रमुख मरम्मत निधि और संपत्ति कर जैसे कुछ शुल्क क्षेत्रफल के आधार पर वसूले जा सकते हैं।

सोसाइटी ने दी थी चुनौती

सोसायटी ने इस आदेश को महाराष्ट्र राज्य सहकारी अपीलीय न्यायालय में चुनौती दी, लेकिन अपील खारिज कर दी गई। न्यायालय ने माना कि सोसायटी बकाया राशि का स्पष्ट आधार बताने में विफल रही और स्क्वेयर फीट आधारित वसूली कानून व सरकारी आदेश के विपरीत है।

62.42 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी

मुंबई की कंपनी और उसके पार्टनर्स पर प्राथमिकी दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मुंबई में एक और बड़े बैंकिंग घोटाले पर शिकंजा कसा है। जांच एजेंसी ने 62.42 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में मुंबई की एक फर्म और उसके प्रमोटर्स/पार्टनर्स के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर सघन जांच शुरू कर दी है। बैंक द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

बैंक को हुआ भारी नुकसान

आरोपियों द्वारा फंड की हेराफेरी और लोन न चुकाने के कारण संबंधित बैंक को 62.42 करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा। लगातार किश्तें न आने के कारण बैंक ने नियमानुसार इस खाते को गैर-निष्पादित संपत्ति घोषित कर दिया। बाद में फोरेंसिक ऑडिट में फंड डायवर्जन की पुष्टि होने पर इस खाते को 'फ्रॉड' की श्रेणी में डाल दिया गया और सीबीआई से आधिकारिक शिकायत की गई।

कैसे दिया गया धोखाधड़ी को अंजाम?

सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी कंपनी और उसके भागीदारों ने संबंधित बैंक के साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी करने के लिए एक सोची-समझी आपराधिक साजिश रची। फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल: आरोप है कि कंपनी ने क्रेडिट सुविधाएं हासिल करने के लिए बैंक के समक्ष फर्जी और मनगढ़ंत दस्तावेज पेश किए। फंड का डायवर्जन: बैंक से करोड़ों रुपए का लोन पास होने के बाद, आरोपियों ने उस पैसे का उपयोग अपने मुख्य व्यवसाय में करने के बजाय, उसे अन्य बैंक खातों और शेल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया। फर्जी लेनदेन: जांच में सामने आया है कि पैसों की हेराफेरी को सही ठहराने के लिए कई फर्जी व्यावसायिक लेनदेन दिखाए गए।

विचार प्रवाह

जितना अधिक आप पढ़ेंगे, उतना ही अधिक चीजें आप जानेंगे। जितना अधिक आप जानेंगे, उतनी ही अधिक आप सफलता प्राप्त करेंगे।

– डॉ. सिअस

संपादकीय

स्वदेशी सैन्य शक्ति

प्रधानमंत्री द्वारा कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों-आईएनएस दूनागिरि, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय-का शुभारंभ भारत की रक्षा क्षमता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केवल नए युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने का अवसर नहीं, बल्कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की बढ़ती ताकत का भी प्रमाण है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत अब केवल रक्षा सामग्री खरीदने वाला देश नहीं रहना चाहता, बल्कि उसे स्वयं विकसित और निर्मित करने की क्षमता भी हासिल कर रहा है। आज किसी भी देश की सैन्य शक्ति का आकलन केवल उसके हथियारों और सैनिकों की संख्या से नहीं किया जाता। यह भी देखा जाता है कि वह अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए कितना आत्मनिर्भर है। जो राष्ट्र अपनी रक्षा सामग्री स्वयं तैयार करते हैं, वे रणनीतिक दृष्टि से अधिक मजबूत और स्वतंत्र माने जाते हैं। ऐसे देशों को संकट के समय विदेशी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और वे अपनी सुरक्षा संबंधी नीतियों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं। भारत लंबे समय तक दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातक देशों में शामिल रहा है। युद्धक विमान, पनडुब्बियां, मिसाइल प्रणाली और अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों के लिए विदेशी देशों पर निर्भरता बनी रही। इससे आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी पैदा होती थीं। इसलिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल विकास का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता भी है। संतोषजनक बात यह है कि पिछले लगभग एक दशक में इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने रक्षा उत्पादन को नई गति दी है। भारतीय नौसेना में पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की जा चुकी हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत अब जटिल और उन्नत सैन्य प्लेटफॉर्म तैयार करने में सक्षम हो रहा है। रक्षा उत्पादन के आंकड़े भी इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। वर्ष 2014 में देश का कुल रक्षा उत्पादन लगभग 40 हजार करोड़ रुपए था, जो बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह वृद्धि भारत की तकनीकी क्षमता और औद्योगिक विकास का संकेत है। हालांकि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी भी आत्मनिर्भरता की यात्रा पूरी नहीं हुई है। कई अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के लिए भारत को विदेशी तकनीक और सहयोग की जरूरत पड़ती है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना भी एक सकारात्मक कदम साबित हुआ है। पहले अधिकांश उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तक सीमित था, जिससे गति और नवाचार प्रभावित होते थे। निजी कंपनियों के जुड़ने से प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, नई तकनीकों का विकास हुआ है और उत्पादन क्षमता में विस्तार आया है। इसका लाभ रक्षा निर्यात के रूप में भी दिखाई दे रहा है। भारत का रक्षा निर्यात अब लगभग 38 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है और भारतीय रक्षा उत्पाद करीब 80 देशों में भेजे जा रहे हैं। यह उपलब्धि वैश्विक रक्षा बाजार में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। सरकार ने वर्ष 2029 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जो महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ प्राप्त करने योग्य भी है। हालांकि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लंबित रक्षा परियोजनाओं को समय पर पूरा करना आवश्यक होगा। अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने, नई तकनीकों में निवेश बढ़ाने और उत्पादन प्रक्रियाओं को तेज करने की जरूरत है। यदि भारत इसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ता रहा, तो वह न केवल अपनी रक्षा जरूरतों में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि वैश्विक रक्षा उद्योग में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरेगा।

आज का इतिहास

- 1953 - जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कश्मीर में कैद के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।
- 1980 - भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बड़े पुत्र संजय गांधी एक विमान दुर्घटना में मारे गए।
- 1994 - संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता को मंजूर किया, उत्तरी कोरिया द्वारा परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने की घोषणा।
- 1995 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 50 वर्ष के इतिहास में 100वां प्रस्ताव (साइप्रस में शांति सैनिकों की अवधि बढ़ाने के संबंध में) पारित किया।
- 2008 -प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता सौमित्र चटर्जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार देने के लिए चयन समिति ने सिफारिश की। टायर बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी जेके टायर इण्डिया लिमिटेड ने मैक्सिको की टायर कंपनी टोर्नल व उसकी सहायक कंपनियों सहित 270 करोड़ डालर का अधिग्रहण किया। नेपाल की मौजूदा सरकार ने संयुक्त राष्ट्र मिशन की अवधि बढ़ाने की मंजूरी दी।
- 2014- गुजरात का 'रानी की वाव' और हिमाचल का 'ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क' विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ।
- 2017- मोहम्मद बिन नायफ के बाद मोहम्मद बिन सलमान सउदी अरब के नए उत्तराधिकारी नियुक्त।
- 1972 - संजीव कुमार बालयान - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
- 1939 - सैयद शाहिद हाकिम - पूर्व भारतीय फ़ुटबॉलर थे।
- 1936 - एन. भास्कर राव - भारतीय राजनीतिज्ञ रहे हैं, जिनका सम्बंध 'तेलुगु देशम पार्टी' से है।
- 1936 - प्रदीप कुमार बनर्जी - भारत के सर्वश्रेष्ठ फ़ुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं।
- 1934 - चण्डी प्रसाद भट्ट - गांधीवादी विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता। वीरभद्र सिंह - हिमाचल प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री
- 1901 - राजेंद्रनाथ लाहिड़ी - भारत के अमर शहीद प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक।
- 1912 - एलेन ट्यूरिंग - अंग्रेज गणितज्ञ और कम्प्यूटर वैज्ञानिक थे।
- 2015 - निर्मला जोशी - मदर टेरेसा की संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटीज' की प्रमुख थीं।
- 1761 - बालाजी बाजीराव - महान मराठा पेशवा।
- 1853 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी - महान शिक्षाविद, चिन्तक और साथ ही 'भारतीय जनसंघ' के संस्थापक।
- 1914 - गंगाप्रसाद वर्मा - राजनेता तथा समाज सुधारक।
- 1939 - गिजुभाई बधेका - गुजराती भाषा के लेखक और महान शिक्षाशास्त्री थे
- 1971 - श्रीप्रकाश - भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और पाकिस्तान में प्रथम उच्चायुक्त
- 1980 - संजय गांधी - भारतीय नेता एवं इंदिरा गांधी के छोटे पुत्र।

फुटपाथ का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने विकास की सोच पर उठाए सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने हाल में एक ऐसा फैसला सुनाया है, जो केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि विकास को लेकर हमारी सोच पर भी गहरा सवाल खड़ा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और सड़कों पर पैदल चलने वालों का अधिकार मोटर वाहनों से अधिक महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह कहा है कि इंसान ने पहिए आने से बहुत पहले चलना सीख लिया था। यह केवल एक ऐतिहासिक तथ्य ही नहीं, बल्कि हमारी शहरी और ग्रामीण विकास नीतियों पर एक गहरी टिप्पणी भी है। यह फैसला एक दर्दनाक हादसे की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को सड़क दुर्घटना में खो दिया था। अदालत ने इस मामले को केवल मुआवजे तक सीमित नहीं रखा, कोर्ट ने पैदल चलने वालों के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 से जोड़कर उसे मौलिक अधिकार का दर्जा भी दे दिया। कोर्ट ने मोटर वाहन अधिनियम की कमियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

वाहन केंद्रित विकास

सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्यों महत्वपूर्ण और दूरगामी है, इसके लिए कुछ बातों पर विचार करने की जरूरत है। दरअसल, पिछले कुछ दशकों में देश का विकास लगभग पूरी तरह वाहनों के इर्दगिर्द केंद्रित रहा है। शहरों में फ्लाईओवर बने, चौड़ी सड़कें बनीं, एक्सप्रेसवे बने, लेकिन पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथों की जरूरत को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया। विडंबना यह है कि देश की एक बड़ी आबादी आज भी पैदल चलकर ही अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करती है। गरीब, मजदूर, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग और छोटे कस्बों के लोग सबसे ज्यादा पैदल यात्रा करते हैं, लेकिन सड़कें मानो केवल वाहनों के लिए आरक्षित कर दी गई हैं। अदालत का यह कहना पूरी तरह सही है कि शुरुआत में यह एक तरह का 'आभिजात्य प्रभाव' था। जब वाहन केवल अमीरों के पास थे, तब भी पैदल चलने वालों को महत्व नहीं मिला और जैसे-जैसे वाहन सस्ते हुए, पूरी सड़क पर वाहनों का कब्जा हो गया। आज स्थिति यह है कि कई शहरों में फुटपाथ हैं ही नहीं और जहां हैं, वहां दुकानों, ठेलों, पार्किंग और अतिक्रमणों ने उन्हें निगल लिया है।

निर्णय के व्यापक प्रभाव

इस निर्णय में कई महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश है। यह निर्णय नागरिकों के लिए पैदल चलने के अधिकार को स्थापित करता है। अब फुटपाथ कोई सरकारी दया का विषय नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार का प्रश्न है। इसके साथ-साथ अदालत ने नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों, नगरपालिकाओं और ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी तय की है। अब वे यह कहकर नहीं बच सकते कि संसाधन नहीं हैं या यह उनकी प्राथमिकता नहीं है। अगर सड़क है तो फुटपाथ भी होना चाहिए। इस फैसले से नागरिकों को कानूनी अधिकार मिला है कि यदि फुटपाथ नहीं हैं, टूटे हुए हैं या उन पर कब्जा है तो वे अदालती दरवाजा खटखटा सकते हैं और हर्जाने की मांग भी कर सकते हैं। अगर इस फैसले को धरातल पर लागू किया जाता है तो इसके दूरगामी लाभ होंगे। सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी कमी आएगी। आवाजाही सुगम होगी। प्रदूषण कम करने और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

क्रियान्वयन की चुनौती

हालांकि कुछ सवाल भी हैं, जैसे कि सरकारें इस फैसले को कितनी गंभीरता से लेंगी? आज देश के अधिकांश छोटे शहरों और कस्बों में फुटपाथ नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। जहां फुटपाथ बने भी हैं, वे दुकानों के आगे बढ़े चबूतरों, पार्किंग, सामान रखने के स्थानों और अस्थायी कब्जों में बदल चुके हैं। सवाल यह भी है कि क्या अब नगर निकाय फुटपाथों से अतिक्रमण हटाएंगे? क्या नई सड़क परियोजनाओं में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिलेगी? क्या सड़क सुरक्षा के बजट में फुटपाथों को भी शामिल किया जाएगा? ये ऐसे प्रश्न हैं जो सुप्रीम फैसले के बाद भी कायम हैं और आम जन चाहेगा कि इनके सकारात्मक उत्तर मिलें। सचमुच, हमारा पूरा यातायात कानून वाहनों को केंद्र में रखकर बनाया गया है, जिसमें इंसान गौण हैं। अब यह सोच बदलने का समय आ गया है।

सरकारों की अग्निपरीक्षा

विभिन्न अदालतों ने समय-समय पर जनहित में फैसले किए हैं, पर उनका क्रियान्वयन कितना हुआ है, इसे देखे जाने की जरूरत है। फुटपाथों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब प्रत्येक शहर और कस्बे में फुटपाथों का सर्वे कराया जाए। अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। नई सड़क परियोजनाओं में फुटपाथ अनिवार्य किए जाने चाहिए। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिले। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षित पैदल मार्गों की योजना बनाई जाए। यह सब जरूरी है, क्योंकि किसी सभ्य समाज की पहचान उसकी चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वहां सबसे कमजोर और असुरक्षित व्यक्ति कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ चल सकता है। जब पैदल चलने वाला नागरिक सुरक्षित होगा, तभी हम अपने विकास को सचमुच मानवीय विकास कह सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी निभा दी है और एक स्पष्ट संवैधानिक दिशा दे दी है। अब गेंद कार्यपालिका के पाले में है। देखना यह है कि सरकारें इस ऐतिहासिक फैसले को केवल न्यायालय के पन्नों तक सीमित रहने देती हैं या उसे वास्तविकता का स्वरूप देकर साकार करती हैं।

आंखनदेखी

चीन में एक अनोखी धान रोपाई प्रतियोगिता में प्रतिभागी शॉपिंग मॉल के भीतर विशेष रूप से तैयार किए गए धान के खेत में हिस्सा लेते हुए। पारंपरिक कृषि संस्कृति को बढ़ावा देने और लोगों को खेती से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता ने दर्शकों का खास ध्यान आकर्षित किया।

ये तेरा ब्रिज, ये मेरा ब्रिज, दोनों कितने न्यारे हैं!

● एक बॉटल नेक तो दूसरा हड़बड़ी में खोला है

राकेश विश्वकर्मा @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर के नागरिकों को दो दिनों में दो नए फ्लाई ओवर ब्रिज का तोहफा महायुति सरकार ने दिया है। दो दिन में दो ब्रिज के उद्घाटन को लेकर राजनीतिक दलों में चर्चा है कि ये तेरा ब्रिज ये मेरा ब्रिज एक बॉटल नेक तो दूसरा हड़बड़ी में खोला है। श्रेय की होड़ ही सही पर दोनों ब्रिज के शुरू होने से जनता ने राहत की सांस ली है।

अल्टीमेटम के बाद खुला ब्रिज

शनिवार को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अल्टीमेटम के बाद एनएचआई ने शिवसैनिकों की उपस्थिति में इसे वाहन चालकों के लिए खोल दिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में शिवसैनिक उपस्थित रहे और जमकर नारे बाजी की और मिठाई बांटी।

श्रेय लेने की होड़

दिल्ली दरबार होटल के सामने बने फ्लाई ओवर ब्रिज को खोले जाने पर शिवसेना नेताओं ने इसका श्रेय परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को दिया। शिवसेना नेता रामभुवन शर्मा ने कहा कि मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि उद्घाटन की जरूरत नहीं है एनएचआई अधिकारी खुद ही इस ब्रिज को जनता के सुपुर्द कर दें।

अधूरे काम पर सवाल

विपक्षी दलों की मानें तो परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अल्टीमेटम के बाद इस ब्रिज का उद्घाटन किया गया है जब कि अभी पूरी तरह से काम हो नहीं पाया है। वसई विरार की तरफ से काशीमीरा आने वाले वाहनों के लिए एक लेन का उद्घाटन किया गया हालांकि जब इसका उद्घाटन किया गया तो उस समय भी इस ब्रिज का काम चल रहा था।

एक लेन खुली, दूसरी की मांग

ब्रिज के निर्माण कार्य में हो रही देरी के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ठेकदार को अल्टीमेटम दिया था जिसके बाद आनन फानन में इसका उद्घाटन कर दिया गया जबकि यह अभी अधूरा बना है। अभी एक लेन को खोला गया है जबकि दोनों लेन को खोले जाने की मांग वाहन चालक कर रहे है।

भाजपा ने भी किया उद्घाटन

शिवसेना के बाद रविवार को भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने अपने दलबल के साथ बॉटल नेक ब्रिज का उद्घाटन किया और दावा किया कि भाजपा का वादा था शहर का विकास जिसे वो पूरा कर रही है।

बॉटल नेक डिजाइन पर चिंता

जबकि इस बॉटल नेक ब्रिज की डिजाइन को लेकर जानकारों का कहना है कि यह हादसों वाला ब्रिज साबित होने वाला है। दो लेन वाला ब्रिज आगे जा कर एक लेन वाला हो गया। यह ब्रिज अपनी बॉटल नेक को लेकर पूरे महाराष्ट्र में ही नहीं पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ था। इस बॉटल नेक को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सफाई देनी पड़ी थी।

सावधानी की सलाह

इस बॉटल नेक ब्रिज को इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों को सावधानी बरतनी होगी। यह सूचना स्थानीय लोग वाहन चालकों को दे रहे है। शिवसेना का दावा है कि जल्द ही वेस्टर्न होटल वाले ब्रिज को दोनों तरफ से शुरू कर दिया जाएगा जिसके लिए उनके नेता प्रताप सरनाईक प्रयासरत हैं।

जाम से मिली राहत

स्थानीय वाहन चालकों की मानें तो बॉटल नेक ब्रिज पर सावधानी जरूरी है पर इसे खोल कर वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने का काम किया गया है।

प्रेरक प्रसंग

सब कुछ जायज है

अंडमान के हैवलॉक द्वीप के समुद्र तट पर बने एयर रेस्टोरेंट में प्रभाकर रूपल का इंतजार कर रहा था। समुद्र की लहरें, नम हवा और गूंजता संगीत भी उसके मन की बेचैनी कम नहीं कर पा रहे थे। सिगरेट के धुएं के छल्लों के साथ उसकी यादें तीन साल पीछे लौट गईं। प्रभाकर देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों में गिना जाता था। पद्मश्री और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त इस लेखक से रूपल की मुलाकात एक साहित्यिक समारोह में हुई थी। स्थानीय अखबार की युवा पत्रकार रूपल उस कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करने आई थी। पहली ही मुलाकात में वह प्रभाकर के व्यक्तित्व और प्रसिद्धि से प्रभावित हो गई। उसने सोशल मीडिया पर उनसे संपर्क साधने की कई कोशिशें कीं, पर जवाब नहीं मिला। कुछ समय बाद एक साक्षात्कार के बहाने दोनों के बीच संवाद शुरू हुआ। रूपल अपनी कविताएं भेजती और प्रभाकर उन्हें संवार देता। धीरे-धीरे वह उसका मार्गदर्शक, संपादक और मित्र बन गया। सप्ताहांत की मुलाकातें, समुद्र किनारे लंबी बातचीत और साहित्यिक चर्चाएं दोनों को करीब ले आईं। प्रभाकर को लगता था कि वह एक प्रतिभाशाली लेखिका को आगे बढ़ा रहा है। उसने उसकी रचनाएं सहेजीं, उन्हें अकादमी तक पहुंचाया और अपने साहित्यिक संपर्कों का लाभ भी दिलाया। रूपल की रचनाएं छपने लगीं और उसका नाम बनने लगा। मगर इसी दौरान प्रभाकर का अपना लेखन पीछे छूटता गया। समय के साथ प्रभाकर को एहसास हुआ कि रूपल उसकी संवेदनाओं से अधिक उसकी प्रतिष्ठा का उपयोग कर रही है। वह उसके नाम का सहारा लेकर संपादकों तक पहुंचने लगी। जब उसे सफलता मिलने लगी, तो प्रभाकर की सलाह और भावनाओं का महत्व कम होने लगा। एक दिन रॉस आइलैंड की ऊंची चट्टान पर बैठे प्रभाकर ने अपने मन की बात कह ही दी। उसने कहा, 'लेखन की दुनिया में कुछ लोग सीढ़ियां खोजते हैं। मंजिल मिलते ही वे सीढ़ी को भूल जाते हैं।

रूपल मुस्कराई। उसने शांत स्वर में जवाब दिया, 'हर व्यक्ति अपने सपनों के लिए संघर्ष करता है। अगर किसी ने किसी का सहारा लिया तो क्या वह गलत है? दुनिया में आगे बढ़ने के लिए लोग वही करते हैं जो उन्हें सही लगता है। प्रभाकर कुछ क्षण मौन रहा।

उसे समझ आ गया था कि रिश्तों, महत्वाकांक्षाओं और सफलताओं की इस दुनिया में नैतिकता के मायने सबके लिए अलग-अलग होते हैं। समुद्र की लहरें चट्टानों से टकरा रही थीं और उसके भीतर एक वाक्य बार-बार गूंज रहा था-शायद इस दुनिया में सब कुछ जायज है।

राशिफल

मेष- बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ- अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी।

मिथुन- रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क- वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह- तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें।

कन्या- चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

तुला- आज घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ होगा। नौकरीपेशा का जीवन अच्छा चलेगा, पदोन्नति होगी। बाहरी कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी।

वृश्चिक- संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

मकर- धन को लेकर व्यावसायिक चिंता बनी रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। आज काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे।

कुंभ- घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन- पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

मोदी-ट्रंप की 'दोस्ती' पर कांग्रेस अध्यक्ष का तंज

एक देश, दूसरा दुनिया को कर रहा बर्बाद: खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ बंगलुरु

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दोस्ती' पर बड़ा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि खुद को 'अच्छे दोस्त' कहने वाले ये दोनों नेता अपने-अपने क्षेत्रों को तबाह कर रहे हैं-मोदी देश को और ट्रंप पूरी दुनिया को। यह हमला कर्नाटक कांग्रेस के नए अध्यक्ष के पदभार संभालने के मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए किया।

गुटनिरपेक्षता पर सवाल

खरगे ने कहा कि भारत नेहरू के समय से गुटनिरपेक्षता की नीति पर चलता था और सभी देशों से अच्छे संबंध रखता था, लेकिन मोदी ने हर किसी को गले लगाकर और दोस्त बताकर देश को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनकी नीतियों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। खरगे ने मोदी की विदेश नीति को भी आड़े हाथों लिया।

मोदी-ट्रंप की नीतियां खतरनाक

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की नीतियां दुनिया के लिए खतरनाक हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की घरेलू और विदेश नीतियों ने भारत की पहचान को संकट में डाला है, जबकि ट्रंप के व्यापारिक रुख ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर किया है। इस बयान ने एक बार फिर विपक्ष के हमलों को तेज कर दिया है, वहीं भाजपा ने खरगे की बयानबाजी को 'बचकाना' करार देते हुए पलटवार किया है।

वैश्विक नेतृत्व पर सवाल

खरगे के इस हमले को कई राजनीतिक विश्लेषक भारत की विदेश नीति में 'सामरिक स्वायत्तता' पर बहस के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका के साथ संबंधों को प्राथमिकता देकर पारंपरिक सहयोगियों की उपेक्षा की है। इस बयान ने विदेश नीति की दिशा को लेकर सियासी गलियारों में बहस छेड़ दी है, विशेषकर तब जब भारत अमेरिका के साथ रक्षा और व्यापार समझौतों पर काम कर रहा है।

राम मंदिर में 5 हजार करोड़ की लूट : खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावे और दान राशि में कथित हेराफेरी का मामला अब राजनीतिक तूफान बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मामले में भारतीय जनता पार्टी पर भारी हमला बोलते हुए इसे 'धर्म के नाम पर लूट' करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर बनने के बाद अब वहां पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक की लूट-पाट की खबरें सामने आ रही हैं।

पुजारी भी घोटाले में?

खरगे ने सवाल उठाते हुए कहा कि राम नाम जपना, पराया माल अपना की नीति पर चल रहे पुजारी भी इस घोटाले में शामिल हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस मंदिर में करोड़ों की लूट हो रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी का उद्घाटन किया था। खरगे ने मंदिरों के दान-पात्रों से निकलने वाले पैसे के गलत इस्तेमाल पर भी गंभीर चिंता जताई।

पंद्रह दिन की जांच पर तंज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने और पंद्रह दिन का समय मांगे जाने पर खरगे ने तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जब भगवान राम, मंदिर, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सब आपके साथ हैं, तो पंद्रह दिन की क्या जरूरत है? उन्होंने मांग की कि दोषियों को तुरंत जेल भेजा जाए और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

सियासत पर बवाल

इस मुद्दे पर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जहां विपक्षी दल सरकार से पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं, वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि विशेष जांच दल की रिपोर्ट आने तक किसी भी आरोप को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। हालांकि, खरगे के इस तीखे हमले ने मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और दान राशि के इस्तेमाल पर बहस छेड़ दी है, जो आने वाले दिनों में और गरमा सकती है।

30 जून के बाद बंद नहीं होंगे LPG कनेक्शन

सरकार ने दी जानकारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

LPG कनेक्शन बंद होने की खबरों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। फिलहाल 30 जून के बाद देशभर में LPG कनेक्शन बंद करने को कोई आदेश नहीं है। इंडेन, भारत गैस और HP गैस के ग्राहकों को पहले की तरह सिलेंडर की आपूर्ति जारी रहेगी। सरकार ने सिर्फ PNG को बढ़ावा देने और दोहरे कनेक्शन को रोकने की नीति अपनाई है।

क्या है नया LPG-PNG का नियम?

केंद्र सरकार ने मार्च 2026 में एक आदेश जारी किया था, जिसके तहत जहां PNG नेटवर्क उपलब्ध है, वहां उपभोक्ताओं को धीरे-धीरे PNG अपनाने के लिए कहा गया है। साथ ही 'नो ड्यूल कनेक्शन पॉलिसी' लागू की है। अगर किसी उपभोक्ता के घर में PNG कनेक्शन है, तो वह नया LPG कनेक्शन नहीं ले सकता और कई मामलों में LPG कनेक्शन सरेंडर करना पड़ सकता है।

क्या कहना है सरकार और तेल कंपनियों का

सरकार और तेल कंपनियों का कहना है कि PNG अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है। इसमें सिलेंडर बुकिंग की जरूरत नहीं होती और गैस की आपूर्ति लगातार बनी रहती है। साथ ही, परिवहन और डिलीवरी से जुड़ी लागत भी कम होती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 से अब तक 10 लाख से अधिक नए PNG कनेक्शन सक्रिय किए जा चुके हैं। करीब 1 लाख परिवार LPG छोड़कर PNG अपना चुके हैं। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल देशभर में LPG कनेक्शन बंद करने जैसी कोई योजना नहीं है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे किसी भी अफवाह पर भरोसा न करें और LPG या PNG से जुड़े किसी भी बदलाव के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही ध्यान दें।

एनईईटी यूजी 2026 का महाकुंभ

सुरक्षा के कड़े घेरे में दोबारा परीक्षा, सीबीआई ने खोला संगठित गिरोह का पिटारा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा एनईईटी यूजी २०२६ का पुनः आयोजन रविवार को अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ। पिछली बार प्रश्नपत्र लीक के बवाल ने जहां राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था, वहीं इस बार करीब सवा दो करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने साढ़े पांच हजार से अधिक केंद्रों पर अपनी किस्मत आजमाई। इस बार तमाम कड़े इंतजामों के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण रही।

सुरक्षा के बादशाहत इंतजाम

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने इस बार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। उंगलियों के निशान का प्रमाणीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस कैमरों की निगरानी और प्रश्न पत्रों की उपग्रही ट्रैकिंग जैसी बहु-स्तरीय व्यवस्था लागू की गई। परीक्षा केंद्रों पर दो लाख से अधिक अधिकारी तैनात थे, और किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए संदेश भेजने वाले अनुप्रयोगों पर भी नजर रखी गई। यह सारी तैयारी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी और सरकार की छवि को बचाने के लिए की गई थी।

सीबीआई ने खोली पोल

इधर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच में बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि यह कोई अकेले का खेल नहीं था, बल्कि कई राज्यों में फैला एक संगठित जाल सक्रिय था। जांच एजेंसी ने अब तक तेरह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के विशेषज्ञ, कोचिंग संस्थानों के शिक्षक और डॉक्टर शामिल हैं। इन आरोपियों ने परीक्षा से पहले ही भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सवालों को लाखों रुपए में छात्रों को बेच दिया था।

विपक्ष का हमला जारी

पुनः परीक्षा शांतिपूर्ण होने के बावजूद, विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना जारी रखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई है। विभिन्न छात्र संगठनों ने भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रखा है, हालांकि सरकार का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और परीक्षा प्रणाली में और सुधार किए जाएंगे।

छात्रों की बेचैनी कायम

प्रश्नपत्र लीक की बार-बार होने वाली घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। छात्रों का कहना है कि इस बार भले ही सुरक्षा कड़ी थी, लेकिन सरकार को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए स्थायी और पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है और जांच में पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए हैं।

UAE को चाहिए भारत की ब्रह्मोस, आकाशतीर मिसाइलें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान-इजराइल-अमेरिका तनाव के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (UAE) अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अबू धाबी ने भारत से सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल और स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम हासिल करने के लिए प्रारंभिक वार्ता शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि भारत और UAE के बीच खाड़ी देश को भारतीय रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति को लेकर चर्चा चल रही है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली प्रमुख हैं। मध्य पूर्व में हालिया संघर्ष और बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए UAE अपनी सैन्य तैयारियों को नई मजबूती प्रदान करने में जुटा हुआ है। UAE ने ब्रह्मोस और आकाशतीर सहित भारत की कई अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों में गहरी रुचि दिखाई है। दोनों देशों के बीच ये बातचीत शुरुआती चरण में हैं और तेजी से आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, भारतीय सरकार और UAE ने इस मुद्दे पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

भारत-UAE रणनीतिक साझेदारी

ये चर्चाएं दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे रणनीतिक संबंधों की पृष्ठभूमि में हो रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में दोनों ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश और रक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं, जिनमें संयुक्त हथियार विकास भी शामिल है। प्रस्तावित सौदा नई दिल्ली की अबू धाबी के साथ साझेदारी को और गहरा करने की रणनीति को दर्शाता है, खासकर जब सऊदी अरब और पाकिस्तान रक्षा सहयोग बढ़ा रहे हैं।

होर्मुज की सुरक्षा और रणनीति

हालिया मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के मद्देनजर वअए अपनी रक्षा खरीद नीति का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। देश रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रहा है, जहां से उसके अधिकांश तेल निर्यात गुजरते हैं। यह कदम अबू धाबी की रक्षा आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने और उभरते हवाई खतरों से बेहतर मुकाबला करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। UAE ने दक्षिण कोरिया के साथ 35 अरब अमेरिकी डॉलर (3.3 लाख करोड़ रुपए) का बड़ा रक्षा सहयोग समझौता किया था।

ब्रह्मोस और आकाशतीर के बारे में जानें

भारत-रूस के संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज परिचालन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल है। इसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है। इसके निर्यात संस्करण की मारक क्षमता करीब 290 किलोमीटर है। चूंकि यह रूस के सहयोग से विकसित हुई है, इसलिए निर्यात के लिए मॉस्को की मंजूरी आवश्यक होगी। सूत्रों का अनुमान है कि मॉस्को और अबू धाबी के अच्छे संबंधों के कारण इस मंजूरी में कोई बाधा नहीं आएगी। वहीं, आकाशतीर एक पूर्ण स्वचालित वायु रक्षा कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम है, जिसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) ने भारतीय सेना के साथ मिलकर विकसित किया है। यह विभिन्न सेंसरों और हथियार प्लेटफार्मों से प्राप्त जानकारी को स्वचालित रूप से संसाधित कर हवाई खतरों का त्वरित पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। रक्षा विशेषज्ञ इसे मौजूदा मिसाइल रक्षा प्रणालियों का प्रभावी पूरक मानते हैं। बता दें कि UAE पहले से ही अमेरिकी THAAD, पैट्रियट और ATACMS जैसी उन्नत प्रणालियां संचालित कर रहा है। आकाशतीर इनके बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ रहा

सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप भारत के रक्षा निर्यात में लगातार उछाल आ रहा है। मार्च 2026 में समाप्त वित्तीय वर्ष में रक्षा निर्यात 4 अरब अमेरिकी डॉलर (37,868 करोड़ रुपए) के पार पहुंच गया, जबकि 2013-14 में यह महज 68 करोड़ रुपए था। मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के सफल उपयोग ने भारतीय हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर और मजबूत किया है। भारत पहले ही फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइलें निर्यात कर चुका है, जबकि कई अन्य देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है।

पंजाब में बदलाव की लड़ाई के लिए भाजपा तैयार, युवा निभाएं अग्रणी भूमिका: नितिन नबीन

हिंदमाता नेटवर्क @ लुधियाना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा है कि भाजपा पंजाब में बदलाव की लड़ाई के लिए तैयार है, क्योंकि राज्य के लोगों को पार्टी से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने राज्य के युवाओं से इसके लिए निर्णायक भूमिका निभाने का आह्वान किया। नितिन नबीन अपने पहले पंजाब दौरे के आखिरी दिन लुधियाना में 'युवा मिलनी' कार्यक्रम के दौरान युवाओं को संबोधित कर रहे थे। युवाओं को मुखातिब करते हुए उन्होंने कहा कि वह युवाओं के माध्यम से पंजाब के मुद्दों को समझने आए हैं। पंजाब के युवाओं की चिंताओं और भाजपा से उम्मीदों के बारे में दर्जनों सवालों का काफी विस्तार से जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं, आप निर्णय लें, हम आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। युवाओं ने उनसे पंजाब में बुनियादी ढांचे के विकास, पंजाब पर कर्ज, कानून-व्यवस्था की स्थिति, महिला सुरक्षा, औद्योगिक पलायन, कृषि संकट, पंजाब से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें, खेल, स्वास्थ्य और केंद्रीय योजनाओं का पंजाब में लाभ न मिलने के बारे में सवाल किए।

■ सवालों के बाद पूरी चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य या देश में ढांचागत सुविधाओं का निर्माण विकास का बुनियादी पैमाना होता है, लेकिन यह पूरा मामला कानून-व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। यह सरकार के विजन से ही संभव होता है; पंजाब में आज जैसे हालात हैं, वैसे ही कभी यूपी और बिहार के होते थे। लेकिन वे सरकार के विजन से बेहतर दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में अद्भुत क्षमता है, लेकिन वह विकास की दौड़ में पिछड़ गया है। राज्य पर 4 लाख करोड़ का कर्ज है। कर्ज तो दूसरे राज्य भी लेते हैं, लेकिन पंजाब को ऐसे राजस्व (रेवेन्यू) मॉडल की जरूरत है, जिससे रोलिंग मनी का उपयोग किया जा सके। केंद्रीय योजनाओं का भी पंजाब के लोगों को फायदा नहीं मिल पा रहा है। इसीलिए हम बार-बार डबल-इंजन सरकार की बात करते हैं। महिला सशक्तिकरण के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां महिला सुरक्षित नहीं, वहां सरकार भी सुरक्षित नहीं रह सकती। लेकिन भाजपा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को उनके स्वाभिमान से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा सरकारें हैं, वे स्टार्टअप को लेकर बहुत गंभीर हैं; हम भारत को मजदूर उपलब्ध कराने वाले देश से उत्पादक देश में बदल रहे हैं।

■ कृषि क्षेत्र में विविधता पर जोर देते हुए नितिन नबीन का कहना था कि भाजपा किसी भी मुद्दे के समाधान के लिए नीतिगत निर्णय लेकर समग्र और स्थिर विकास के लिए काम करती है। इससे पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करते हुए पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि देश के 22 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, भाजपा ने खुद को साबित किया है। यही रिपोर्ट कार्ड हम पंजाब के लोगों के सामने पेश करेंगे और उनके मुद्दों के समाधान की लड़ाई लड़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए पंजाब भाजपा महासचिव परमिंदर सिंह बराड़ ने कहा कि पंजाब को किसी की नजर लग गई है, भगत सिंह वाली पगड़ी पहनकर कलाकार भगवंत मान ने अंग्रेजों से भी बुरे काम किए हैं।

सीमा सुरक्षा और आतंकवाद पर होगी अहम बैठक

हिंदमाता नेटवर्क @ श्रीनगर

संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चार दिवसीय अध्ययन दौरे की शुरुआत की है। समिति के अध्यक्ष शशि थरूर के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल पच्चीस जून तक जम्मू, श्रीनगर, कारगिल और लेह का दौरा करेगा। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन सीमाओं पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति का जायजा लेना और सीमा प्रबंधन की समीक्षा करना है।

चिनार कोर में बैठक

समिति के सदस्यों ने श्रीनगर में सेना के चिनार कोर का दौरा किया, जहां सेनाध्यक्ष ने उन्हें नियंत्रण रेखा और आंतरिक इलाकों की सुरक्षा स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना करते हुए समिति ने कश्मीर में बेहतर सुरक्षा माहौल पर संतोष जताया। सदस्यों को आतंकवाद विरोधी अभियानों और आधुनिक उपकरणों के बारे में भी बताया गया।

क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद और जल संधि पर चर्चा

घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों से उत्पन्न खतरों का आकलन करेगी। सिंधु जल संधि के निलंबन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने हाल ही में समिति को चीन-भारत संबंधों और पाकिस्तान के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी दी थी।

नेपाल पुलिस का बड़ा एक्शन

भारत पहुंचने से पहले पकड़ी गई 17 किलो से ज्यादा अफीम, 5 गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नेपाल

पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 17.266 किलोग्राम अफीम बरामद की है। यह खेप भारत के रास्ते विभिन्न शहरों में भेजी जानी थी। मामले में दो नेपाली महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, नेपाल के बर्दिया जिले में 21 जून को मोतीपुर थाना पुलिस और मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो, नेपालगंज की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान बढ़ैया ताल गांवपालिका वार्ड नंबर-4, खरैनी निवासी संध्या घर्ती मगर और बासगढ़ी नगरपालिका वार्ड नंबर-3, लछमणपुर निवासी मीना रोकाया को गिरफ्तार किया गया।

■ पुलिस ने इनके कब्जे से 15 किलो 340 ग्राम अफीम, 34 हजार नेपाली रुपए नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए। दोनों आरोपियों को बरामद मादक पदार्थ के साथ मोतीपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। बर्दिया जिले के पुलिस प्रवक्ता एवं डीएसपी रेशम बोहरा के अनुसार, एक अन्य सूचना के आधार पर गुलरिया नगरपालिका वार्ड नंबर-8 स्थित एक मकान में छापा मारा गया। वहां एक बैग से 1 किलो 960 ग्राम अफीम बरामद हुई। इस मामले में जाजरकोट जिले के बारेकोट गांवपालिका वार्ड नंबर-4 निवासी यम बहादुर रावत, लोकेंद्र बहादुर रोकाया तथा रोल्पा जिले की गंगादेवी गांवपालिका वार्ड नंबर-6 निवासी केसर सिंह केसी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से 8,300 भारतीय रुपए नकद और नेपाली नंबर की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अफीम की यह खेप भारत-नेपाल सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के रुपईडीहा मार्ग से भारत लाई जानी थी और बाद में अन्य शहरों तक पहुंचाई जानी थी।

हिंदमाता एंकर: योग भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना का प्रदर्शन जिसे आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है।

योग कूटनीति: भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' ने जीता दुनिया का दिल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब दुनिया के सामने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का प्रस्ताव रखा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि महज 90 दिनों के भीतर रिकॉर्ड 177 देशों के समर्थन से यह प्रस्ताव पारित हो जाएगा। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं थी, बल्कि यह आधुनिक इतिहास में भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' के सबसे बड़े वैश्विक विस्तार की शुरुआत थी।

■ विगत 12 वर्षों का सफरनामा गवाह है कि योग अब केवल कुछ संन्यासियों की साधना या फिटनेस स्टूडियो का अभ्यास नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया की एक साझी सांस्कृतिक भाषा बन चुका है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने देश के भीतर इसे जन-जन की जीवनशैली का हिस्सा बनाया, तो वहीं विदेश मंत्रालय और दुनिया भर में फैले भारतीय मिशनों (दूतावास एवं उच्चायोग) ने इसे वैश्विक कूटनीति के एक बेहद अनमोल और प्रभावी औजार में तब्दील कर दिया है। भारतीय मिशनों की सक्रियता के कारण ही आज पेरिस के एफिल टॉवर के साए में, न्यूयॉर्क के व्यस्त टाइम्स स्क्वायर के चौराहे पर, चीन की महान दीवार पर और अर्जेंटीना के ओलंपिक पार्क में हर साल हजारों विदेशी नागरिक एक सुर में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' (सीवाईपी) का अभ्यास करते दिखते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन हर साल वैश्विक नेताओं और शीर्ष राजनयिकों को एक मंच पर लाकर योग के जरिए शांति और सद्भाव का संदेश देता आ रहा है। यह भारत की उस 'वसुधैव कुटुंबकम' (विश्व एक परिवार है) की भावना का व्यावहारिक प्रदर्शन है, जिसे आज पूरी दुनिया खुले दिल से स्वीकार कर रही है।

■ इन 12 वर्षों में केंद्र सरकार और भारतीय दूतावासों का प्रयास केवल 21 जून के एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रहा। भारतीय मिशनों ने विदेशों में आईसीसीआर के माध्यम से सालभर चलने वाले योग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों में योग पीठ की स्थापना की गई है, जिससे इस प्राचीन विज्ञान को वैज्ञानिक और शैक्षणिक प्रामाणिकता मिली है। संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं में योग नियमों का अनुवाद होने से अब यह दुनिया के कार्यस्थलों और स्वास्थ्य नीतियों का हिस्सा बनता जा रहा है।

■ संक्षेप में कहें तो, इन बीते 12 वर्षों में भारत ने अपनी इस प्राचीन धरोहर को वैश्विक आरोग्य (ग्लोबल वेलनेस) का सबसे बड़ा आंदोलन बना दिया है। आज जब दुनिया मानसिक तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही है, तब दुनिया भर में फैले भारतीय मिशनों के दूरदर्शी प्रयास और भारत की यह 'योग कूटनीति' सरहदों के बंधन को लांघ चुकी है। यह अकाट्य सत्य है कि अपनी इस प्राचीन धरोहर के जरिए भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' ने न केवल वैश्विक आरोग्य को एक नई दिशा दी है, बल्कि पूरी दुनिया का दिल भी जीत लिया है।

सीएम योगी का सपा पर वार, बोले- 'उनके एजेंडे में विकास नहीं, गुंडागर्दी'

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को फिरोजाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने 658 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से 81 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया और समाजवादी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास है ही नहीं। समाज को बांटना, सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करना, गुंडागर्दी को प्रोत्साहित करना ही सपा का एजेंडा है। मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि गरीब के लिए कार्य ना हो, इसके लिए एड़ी चोटी लगाना। विकास की हर योजना में रोड़ा अटकाना और किसी पर्व के पहले आयोजित होने वाली उत्सव को उपद्रव में बदल देना ही सपा का एजेंडा है।

सपा देती थी वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया

राज्य में 2017 के पहले क्या हालत थे? लेकिन आज आप देख रहे होंगे, ये डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज दे रही है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट दे रही है। वहीं समाजवादी पार्टी वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया देती थी। यानी हर जिले का एक चिन्हित माफिया था। वो चिन्हित माफिया अराजकता फैलाता था। गरीब के मकान और जमीन पर कब्जा करता था। अराजकता पैदा करना उसकी पहचान बन चुकी थी। लेकिन हमारा प्रदेश अब माफियामुक्त, गुंडा मुक्त, उपद्रव मुक्त है। अब उत्तर प्रदेश में नो कर्फ्यू नो दंगा।।। सब चंगा है। आप सोचो समाजवादी पार्टी रामनवमी पर तो विरोध करती ही करती थी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मनाने पर भी रोक लगाती थी। कांवड़ यात्रा भी नहीं होने देती थी। गरीब को राशन नहीं मिलता था। गरीब को आयुष्मान की सुविधा का लाभ नहीं मिलता था। गरीब के लिए आवास की सुविधा नहीं थी। गरीब के घर में शौचालय की सुविधा भी नहीं थी।

मेरी सरकार में 15 करोड़ लोगों को मिल रहा मुफ्त राशन

गरीब को एलपीजी के सिलेंडर की सुविधा भी नहीं थी । बिजली भी नहीं थी। क्योंकि ये कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के लोग और बहुजन समाज पार्टी के लोग तो अंधेरे में रहने के आदि थे। अंधेरे में ही इनकी डकैती, कुशलतापूर्वक पड़ जाती थी । इसीलिए चाहते ही नहीं थे कि बिजली आए। आज मैं कह सकता हूं, प्रदेश के अंदर पंद्रह करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। दस करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत में 5 लाख रुपए की मुफ्त में स्वास्थ्य की सुविधा प्राप्त हो रही है।

मैंने अपनी आंखों से 14 शव देखे हैं..

लखनऊ अग्निकांड पर बात करते हुए रो पड़े डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में लगी भीषण और दर्दनाक आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस भयानक अग्निकांड की त्रासदी और इसमें जान गंवाने वाले मासूमों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बेहद भावुक हो गए। मीडिया से बात करने के दौरान इस दर्दनाक घटना का जिक्र आते ही डिप्टी सीएम खुद को संभाल नहीं पाए और कैमरे के सामने ही फफक-फफक कर रो पड़े। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी आग की घटना पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, इस घटना में 14 बच्चों की मौत हो गई है और चार घायल बच्चों को केजीएमसी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री अलीगढ़ में अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द करके घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। हमारी प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराना है। घटना कैसे और क्यों हुई, इसका पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। अधिकारियों ने घटनास्थल पर तलाशी अभियान पूरा कर लिया है और पुष्टि की है कि अब कोई बच्चा वहां फंसा नहीं है। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बिना किसी नरमी के सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने पीड़ित परिवारों को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई है और कहा है कि उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना पर शोक जताया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर लौट रहे हैं। उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मौके पर मौजूद हैं।

बहराइच दरगाह में करोड़ों का खेल!

भाजपा नेता ने सीएम योगी से एसआईटी जांच की मांग, निशाने पर सपा नेता

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में स्थित ऐतिहासिक दरगाह हजरत सैयद सालार मसूद गाजी (वक्फ नंबर 19) में भारी वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का मामला गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विस्तृत पत्र लिखकर इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय एसआईटी से जांच कराने की मांग की है। कुंवर बासित अली ने सीएम योगी को लिखे 4 पन्ने के पत्र में 17 बिंदुवार आरोपों के माध्यम से बताया है कि देश की इस महत्वपूर्ण धार्मिक और वक्फ संस्था में पिछले दो दशकों से वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग और करोड़ों रुपए का गबन किया जा रहा है।

सपा नेता यासिर शाह और करीबियों पर गंभीर आरोप

कुंवर बासित अली ने अपने पत्र में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक और कद्दावर नेता यासिर शाह की भूमिका की गहन जांच की मांग की है। आरोप है कि यासिर शाह और उनके परिवार (मरिया शाह) ने अपने राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर दरगाह के प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में अनुचित हस्तक्षेप किया। इसके अलावा, दरगाह के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत शमशाद अहमद, वर्तमान अध्यक्ष बकाउल्लाह और प्रबंधक अलीुल हक, जो लगभग 40 वर्षों से कार्यरत हैं, के कार्यकाल की भी विस्तृत जांच की मांग की गई है।

राजनीतिक उपयोग और अवैध संपत्तियों की जांच

बीजेपी नेता कुंवर बासित अली ने मुख्यमंत्री से यह भी जांच कराने का अनुरोध किया है कि कहीं वक्फ नंबर 19 की आय और संसाधनों का उपयोग समाजवादी पार्टी की चुनावी और राजनीतिक गतिविधियों के लिए तो नहीं किया गया। साथ ही पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा अर्जित चल-अचल संपत्तियों के स्रोतों और वक्फ की धनराशि से निजी व्यक्तियों के नाम खरीदी गई संपत्तियों की भी जांच कर कार्रवाही की मांग की है। कुंवर बासित अली ने पत्र के अंत में आग्रह किया है कि वक्फ की बहुमूल्य संपत्तियों की रक्षा और जनता का विश्वास बहाल करने के लिए इन सभी मामलों की समयबद्ध एसआईटी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाए।

राम मंदिर चढ़ावे में भ्रष्टाचार के आरोपों पर आप का प्रदर्शन

420 रुपए का चेक बनाकर चंपत राय को भेजा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

भगवान श्रीराम के नाम पर श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए धन और चढ़ावे में लूट के आरोपों तथा राम भक्तों की आस्था के साथ हो रहे खिलवाड़ के विरोध में आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह के आवाह्न पर रविवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों और प्रमुख चौराहों पर भिक्षाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाथों में कटोरे और तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा 420 रुपए का चेक तैयार कर चंपत राय को भेजा। कार्यकर्ताओं ने चंदा चोरों गद्दी छोड़ो, राम भक्तों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लगाए तथा दान और चढ़ावे में हुई लूट की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

आरएसएस और भाजपा पर साधा निशाना

इस दौरान यतीनंदन आयु ने कहा कि प्रभु श्री राम हम सभी की आस्था और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उनके भव्य मंदिर निर्माण के नाम पर देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी गाढ़ी कमाई समर्पित की थी। लेकिन आरएसएस और भाजपा के लोग जो खुद को धर्म का ठेकेदार बताते हैं, उन्हीं के पदाधिकारियों द्वारा इस पवित्र चंदे में लूट की जा रही है। यह करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है।

चंपत राय को भेजा 420 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट

उन्होंने कहा कि हम चंपत राय को 420 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भेजकर यह संदेश दे रहे हैं कि वे प्रभु के मंदिर के पैसों पर डाका डालना बंद करें। अगर भाजपा, आरएसएस या उनके लोगों के पास पैसे की इतनी ही कमी है, तो वे सीधे मांग लें; आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता जनता के बीच झोली फैलाकर, भीख मांगकर पैसा इकट्ठा करेगा और उन्हें दे देगा, लेकिन भगवान के घर में ये हेराफेरी नहीं चलने दी जाएगी।

पहले खाने में मिलाया जहर नहीं हुई मौत तो पति को जिंदा जलाया

बागपत में पत्नी बनी हैवान

हिंदमाता नेटवर्क @ बागपत

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बिनौली थाना क्षेत्र के बिजवाड़ा गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवक को कथित रूप से पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। पीड़ित परिवार ने इस घटना के पीछे युवक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी का हाथ होने का आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। बताया जाता है कि बिजवाड़ा निवासी विक्रांत की पत्नी का पड़ोस में रहने वाले एक युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों का आरोप है कि विक्रांत इस रिश्ते का विरोध करता था, जिससे दोनों नाराज थे। इसी वजह से उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची गई।

खाने में मिलाया जहर, फिर जिंदा जलाया

परिजनों के मुताबिक, घटना वाले दिन विक्रांत को पहले खाने में नशीला पदार्थ दिया गया। इसके बाद उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। आग लगते ही विक्रांत चीखता-चिल्लाता घर से बाहर निकलकर गली में भागा और खुद को बचाने की कोशिश करता रहा। उसकी आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। गंभीर रूप से झुलसे विक्रांत को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

पत्नी और उसके प्रेमी पर आरोप

पीड़ित परिवार ने पुलिस को दी गई शिकायत में पत्नी और उसके कथित प्रेमी के खिलाफ हत्या के प्रयास की साजिश रचने का आरोप लगाया है। वहीं परिजनों का कहना है कि मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है और कुछ लोगों पर दबाव भी बनाया जा रहा है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और युवक की पत्नी व उसके कथित प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

1.25 लाख का इनामी ललन सिंह का एनकाउंटर

एसटीएफ ने किया ढेर, 7 लोगों की हत्या समेत कई मामलों में था वांटेड

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पुलिस ने कुख्यात अपराधी ललन सिंह उर्फ लल्लन का एनकाउंटर कर दिया। लल्लन पर वाराणसी पुलिस ने 1 लाख रुपए और चंदौली पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। एनकाउंटर के बाद लल्लन को पुलिस सीएचसी अस्पताल ले गई। वहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान ललन का एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। ललन सिंह बिहार में समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले आनंदगोलवा गांव का रहने वाला था। वह कई संगीन मामलों में वांटेड था। 21-22 जून 2026 की दरमियानी रात सहारनपुर के सरसावा-नकुड़ रोड पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। एडिशनल एसपी लाल प्रताप सिंह की टीम के साथ हुई इस मुठभेड़ की शुरुआत सरसावा-नकुड़ मार्ग पर चेकिंग के दौरान हुई। यहां बदमाशों की टीम का बदमाशों से आमना सामना हो गया। पुलिस को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस की तरफ से हुई फायरिंग में ललन सिंह गोली लगने से घायल हो गया। बाद में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किन मामलों में था वांटेड?

8 नवंबर 2022 को वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर उनकी सर्विस पिस्टल लूटने के मामले में ललन मुख्य आरोपी था। इसके अलावा 1 नवंबर 2022 को चंदौली में फायरिंग कर लूट की वारदात को भी अंजाम दिया था। ललन सिंह अपने भाइयों और गैंग के साथ कई जघन्य अपराधों में शामिल था। उस पर 7 लोगों की हत्या का आरोप था। इनमें दो सब-इंस्पेक्टर, एक बैंक कैशियर और एक सिक्योरिटी गार्ड शामिल हैं। इसके अलावा बैंक डकैती, कैश वैन लूट और सरकारी हथियार लूटने के मामलों में भी वह वांटेड था।

क्या बोले एडीजी अमिताभ यश?

एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि ललन सिंह उर्फ लल्लन एक कुख्यात अपराधी था और उस पर पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। उन्होंने बताया कि ललन सिंह कई बड़े और चर्चित आपराधिक मामलों में वांछित था। इनमें 8 नवंबर 2022 को वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर उसकी सर्विस पिस्टल लूटने और 1 नवंबर 2022 को चंदौली में गोलीबारी के साथ डकैती की घटना शामिल है। अमिताभ यश के मुताबिक, वह अपने भाइयों और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कई गंभीर अपराधों में शामिल था। उस पर दो सब-इंस्पेक्टर, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड समेत कुल सात लोगों की हत्या, बैंक डकैती, कैश वैन लूट और सरकारी हथियार लूटने जैसे कई मामले दर्ज थे।

गोरखपुर में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या से सनसनी

नाबालिग भाई पर शक; पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

गोरखपुर में एक बार फिर कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। बांसगांव थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया है। पति, पत्नी और मासूम बेटे की लाश घर के भीतर मिलने से सनसनी फैल गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस वारदात को रोका जा सकता था? क्योंकि मृतक के पिता का आरोप है कि पहले भी विवाद की जानकारी पुलिस को दी गई थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं हुई।

नाबालिग छोटे भाई पर गहराया शक

पुलिस के अनुसार मृतक अमित गुप्ता के पिता द्वारा दी गई तहरीर और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर मृतक के नाबालिग छोटे भाई पर शक गहराया है। पुलिस ने उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल से एक लोहे की रॉड भी बरामद की गई है, जिसे हत्या में इस्तेमाल किए जाने की आशंका है। हालांकि इस पूरे मामले में नया मोड़ तब आया जब मृतक के पिता ने सीधे तौर पर गोरखपुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। उनका कहना है कि परिवार में चल रहे विवादों की जानकारी पहले भी पुलिस को दी गई थी। यदि शिकायतों को गंभीरता से लिया गया होता तो शायद आज तीन जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव बरामद

गोरखपुर जिले के बांसगांव थाना क्षेत्र के बलुआ गांव में सोमवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक घर के कमरे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव बरामद हुए। मृतकों की पहचान अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना गुप्ता और तीन वर्षीय पुत्र रेयांश के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बांसगांव पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पूरे घर को घेरकर साक्ष्य जुटाए गए और हत्या के कारणों की पड़ताल शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों की हत्या किसी भारी वस्तु से वार कर की गई है।

हिंदमाता एंकरः सरकारी दस्तावेजों में उनके नाम पर ऐसी कंपनी चल रही थी, जिसका कारोबार करीब 100 करोड़ रुपए बताया गया

गोरखपुर में पंचर बनाने वाला राज प्रजापति बन गया करोड़पति ! जानिए कैसे आ गए इतने पैसे

हिंदमाता संवाददाता @ गोरखपुर

सुबह से शाम तक सड़क किनारे पंचर बनाकर परिवार का खर्च चलाने वाला एक युवक अचानक करोड़ों रुपए के कारोबार वाली कंपनी का मालिक निकला। कम से कम सरकारी रिकॉर्ड तो यही कहानी बता रहे थे। जब केंद्रीय जीएसटी विभाग का समन उसके घर पहुंचा तो पहले उसे लगा कि कोई मजाक कर रहा है। लेकिन कुछ ही देर में उसे समझ आ गया कि वह ऐसे मामले में फंस चुका है, जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। कहानी रामपुर बुजुर्ग गांव के रहने वाले राज प्रजापति की है। राज पेशे से पंचर बनाने का काम करते हैं। गांव और आसपास के लोग उन्हें एक मेहनतकश युवक के रूप में जानते हैं। लेकिन सरकारी दस्तावेजों में उनके नाम पर ऐसी कंपनी चल रही थी, जिसका कारोबार करीब 100 करोड़ रुपए बताया गया और जिस पर लगभग 28 करोड़ रुपए की जीएसटी देनदारी सामने आई। राज प्रजापति के मुताबिक कुछ दिन पहले उन्हें केंद्रीय जीएसटी विभाग की ओर से समन मिला। समन में जिस कंपनी का नाम दर्ज था, उसे देखकर ही वह हैरान रह गए। दस्तावेजों में लिखा था कि मेसर्स गड़जेट्रीक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी उनके नाम पर रजिस्टर्ड है। जांच में इस कंपनी का लगभग 100 करोड़ रुपए का टर्नओवर सामने आया है और करोड़ों रुपए के टैक्स की देनदारी भी दर्ज की गई है। राज बताते हैं कि उन्होंने कभी कोई कंपनी नहीं खोली। उन्हें यह तक नहीं पता था कि उनके नाम से कोई फर्म या बैंक खाता संचालित हो रहा है।

जब गांव पहुंची जांच टीम

मामले की जांच के दौरान वाराणसी से केंद्रीय जीएसटी विभाग की टीम गोरखपुर पहुंची। अधिकारियों ने जब दस्तावेजों में दर्ज पते का सत्यापन किया तो वे सीधे राज प्रजापति के गांव पहुंच गए। लेकिन वहां जो तस्वीर दिखाई दी, वह कागजों पर दर्ज कहानी से बिल्कुल अलग थी। जिस व्यक्ति को रिकॉर्ड में करोड़ों के कारोबार का मालिक बताया गया था, वह सड़क किनारे पंचर की दुकान चलाता मिला। घर की आर्थिक स्थिति भी बेहद साधारण थी। सूत्रों के अनुसार अधिकारियों ने राज से लंबी बातचीत की। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और समझने की कोशिश की कि आखिर उनके नाम का इस्तेमाल कैसे हुआ।

बहन की शादी और कर्ज की मजबूरी

राज प्रजापति का कहना है कि इस पूरे मामले की शुरुआत बहन की शादी से हुई। उनके अनुसार वर्ष 2024 में परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। बहन की शादी तय हो चुकी थी और पैसों की सख्त जरूरत थी। इसी दौरान गांव के एक परिचित व्यक्ति ने मदद का भरोसा दिलाया। राज का आरोप है कि उस व्यक्ति ने बैंक से लोन दिलाने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा देकर आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज अपने पास ले लिए। उस समय उन्हें यह अंदाजा भी नहीं था कि इन्हीं कागजातों का इस्तेमाल आगे चलकर एक बड़ी कंपनी खड़ी करने में किया जाएगा।

सिग्नेचर भी करवाए, वीडियो भी बनाया

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने सिर्फ दस्तावेज ही नहीं लिए बल्कि कई कागजों पर हस्ताक्षर भी करवाए। राज का दावा है कि दो बार उनका वीडियो भी रिकॉर्ड किया गया। उन्हें बताया गया कि यह प्रक्रिया लोन से संबंधित औपचारिकताओं का हिस्सा है। चूंकि उन्हें पैसों की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने ज्यादा सवाल नहीं किए। अब उन्हें शक है कि उन्हीं दस्तावेजों, हस्ताक्षरों और वीडियो का इस्तेमाल कर उनके नाम पर फर्जी कंपनी बनाई गई।

पुलिस क्या कह रही है?

गोरखपुर पुलिस के अनुसार शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गोरखपुर की सीओ कैंट आभा सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया दस्तावेजों के दुरुपयोग और धोखाधड़ी के आरोप सामने आए हैं। शिकायत में गांव के ही एक व्यक्ति पर आधार कार्ड, पैन कार्ड और हस्ताक्षर लेकर फर्जी कंपनी बनाने का आरोप लगाया गया है।

शॉर्ट स्टोरी

'सीएम सम्राट को हो गया है लालू-तेजस्वी फोबिया..' आरजेडी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

लालू परिवार की सुरक्षा और सरकारी आवास को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयान पर आरजेडी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। एजाज अहमद ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 'लालू और तेजस्वी फोबिया' के शिकार हो गए हैं और हर मुद्दे पर आरजेडी नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को उनके संवैधानिक पद और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। आरजेडी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिना वजह इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और आवास जैसे मामलों पर अनावश्यक बयान देने के बजाय सरकार को राज्य के विकास और जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। एजाज अहमद ने कहा कि लालू परिवार को मिलने वाली सुरक्षा पूरी तरह नियमों और सरकारी प्रावधानों के तहत तय होती है। ऐसे में इस विषय पर भ्रम फैलाने या राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश उचित नहीं है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के हालिया बयान के बाद राज्य की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। अब इस मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सियासी बयानबाजी तेज होती नजर आ रही है।

नीतीश का ताज कैसे धीरे-धीरे निशांत की ओर शिफ्ट हो रहा?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की सत्ता से हटने के बाद नीतीश कुमार ने अपने बेटे निशांत कुमार को सियासी पिच पर उतारा। सम्राट चौधरी की सरकार में कैबिनेट मंत्री बनवाकर निशांत को राजनीति में लांच किया, लेकिन अब नीतीश कुमार का सियासी ताज धीरे-धीरे निशांत कुमार की ओर शिफ्ट होने लगा है। जेडीयू के नेताओं को भी पार्टी का भविष्य निशांत कुमार में दिखने लगा है। जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद बैठक में रविवार को नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इस राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नीतीश के बाद कौन का सवाल उठा तो जेडीयू के तमाम बड़े नेताओं की जुबान पर सिर्फ निशांत कुमार का नाम ही गूंजा। नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की जानकारी देते हुए संजय झा ने कहा कि कहा कि पार्टी अब नए चरण में आगे बढ़ रही है। बैठक में जेडीयू के भावी सियासत को लेकर भी लकीर खींचा गया, जिसमें पार्टी नेताओं से लेकर मंत्री और विधायक तक को जेडीयू का सियासी भविष्य निशांत कुमार में दिख रहा है। मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार ने अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीतिक में नहीं लाए थे, लेकिन सत्ता छोड़ते ही उन्होंने निशांत कुमार के सियासी पिच पर उतारा, और सम्राट सरकार में स्वस्थ्य मंत्री बनवाने का काम किया। अब जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में जेडीयू के तमाम शीर्ष नेताओं और मंत्रियों की मौजूदगी में निशांत कुमार को आधिकारिक रूप से जेडीयू का भविष्य घोषित कर दिया गया। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, मंत्री श्रवण कुमार और अशोक चौधरी समेत पार्टी के सभी दिग्गजों ने एक सुर में स्वीकार किया कि आने वाले समय में निशांत कुमार का है। निशांत कुमार की भूमिका पार्टी के भीतर और भी ज्यादा अहम होगी। इस तरह से पूरी बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु नीतीश कुमार के पुत्र और वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ही रहे, जिनके सियासी कद को बढ़ाने पर जोर दिया गया। जेडीयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि निशांत कुमार हमारे नेता थे, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे। निशांत कुमार ही जेडीयू का भविष्य हैं और आगे उन्हीं के कुशल नेतृत्व में हम सभी नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट होकर आगे बढ़ना है। जेडीयू की बैठक में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि हम लोगों ने नीतीश जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लंबे समय तक काम किया है। नीतीश जी ने बिहार को न सिर्फ अराजकता से संभाला, बल्कि उसे विकास की राह पर आगे बढ़ाया।

भरत तिवारी एनकाउंटर केस में सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

हिंदमाता नेटवर्क @ भोजपुर

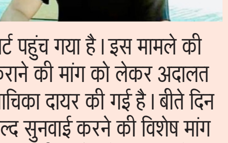

बिहार के भोजपुर जिले में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है। बीते दिन इस मामले पर जल्द सुनवाई करने की विशेष मांग की गई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की तुरंत सुनवाई की अपील करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने फिलहाल याचिकाकर्ता वकील विशाल तिवारी को तय प्रक्रिया का पालन करने को कहा है। अदालत ने निर्देश दिया है कि जल्द सुनवाई के अनुरोध के लिए वो सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से संपर्क करें। अब रजिस्ट्री से अनुमति मिलने के बाद ही साफ होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर कब सुनवाई करेगा। बता दें कि भरत तिवारी के एनकाउंटर मामले की सुनवाई के लिए दाखिल की गई याचिका में मांग की गई है कि भरत की मौत के इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई को सौंपी जाए। इसके साथ ही इस एनकाउंटर में शामिल रहे सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। याचिका में देश में कानून के शासन की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाए जाने की भी मांग की गई है। शर्त ये भी है कि इस समिति की अध्यक्षता की कमान सुप्रीम कोर्ट के ही किसी रिटायर्ड जज के हाथ सौंपी जाए। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि भरत भूषण तिवारी की मौत एक 'फर्जी एनकाउंटर' और सोची-समझी हत्या है। याचिका में कहा गया है कि सच सामने लाने के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। भरत भूषण तिवारी (28) भोजपुर के बिलौती गांव का रहने वाले थे।

कतर की एलएनजी फैक्ट्री में भीषण धमाका

भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत, 66 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

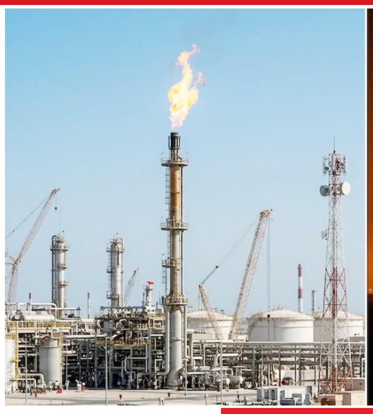

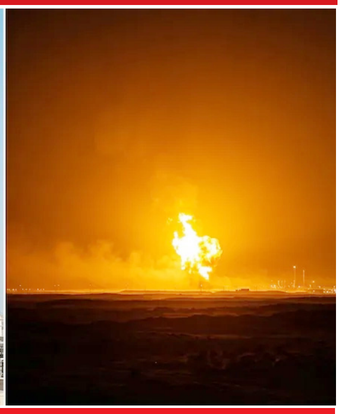

कतर के रास लफ्फान एलएनजी कॉम्प्लेक्स में हुए भीषण धमाके में भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत हुई है, जबकि 66 लोग घायल बताए जा रहे हैं। भारतीय दूतावास ने भी इस घटना पर चिंता जताई है। ये हादसा उस समय हुआ जब ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित गैस फैसिलिटी में काम दोबारा शुरू किया जा रहा था। कतर के अधिकारियों ने इस घटना को बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ एक टेक्निकल एक्सीडेंट बताया है। यह सुविधा देश के सबसे बड़े एलएनजी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट हब रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी का हिस्सा है। कतर के एनर्जी मंत्रालय ने बताया कि हादसे में 13 लोगों की मौत हुई है। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने इस हादसे पर गहरी चिंता जताई है। दूतावास ने कहा कि कई लोग घायल हुए हैं और कुछ लोगों के लापता होने की भी जानकारी सामने आई है। कतर के एनर्जी मिनिस्टर साद शेरिदा अल-काबी ने सोमवार को दोहा में मृतकों की संख्या की पुष्टि करते हुए इंडस्ट्रियल हादसा बताया। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण के बाद कतर ने अपना प्रोडक्शन को रोक दिया था। इसका असर ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर पड़ा था। कतर अपने क्लाइंट्स को एलएनजी शिपमेंट नहीं भेज पा रहा था। युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत शुरू होने और ईरान की पकड़ कमजोर होने के बाद एक्सपोर्ट टर्मिनल शुरू करने की कोशिश की जा रही थी। सरकारी कंपनी कतरएनर्जी के मुताबिक, रविवार रात बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी में काम के दौरान धमाका हुआ। इसके बाद आग लग गई। कतर दुनिया के सबसे बड़े नैचुरल गैस प्रोड्यूसर देशों में शामिल है। ऐसे में रास लफ्फान जैसे बड़े एलएनजी हब में हुई यह घटना ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को लेकर नई चिंता पैदा कर रही है।

वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर की आशंका

बरजान फैसिलिटी कतर के गैस आधारभूत संरचना का एक अहम हिस्सा है, जिसकी उत्पादन क्षमता लगभग 1.4 बिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक फीट प्रतिदिन है। यह न केवल कतर के घरेलू बिजली उत्पादन और खारे पानी को मीठा बनाने वाले (डिसेलिनेशन) प्लांटों को ऊर्जा देती है, बल्कि यह वैश्विक लिक्विफाइड नेचुरल गैस सप्लाई की रीढ़ भी मानी जाती है।

साजिश या दुर्घटना? जांच शुरू

धमाके की वजह का पता लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि रास लाफान कॉम्प्लेक्स हाल के क्षेत्रीय तनाव और मिसाइल हमलों की खबरों के कारण पहले भी प्रभावित हुआ था, जिससे कामकाज आंशिक रूप से बंद करना पड़ा था। अधिकारियों ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि यह धमाका महज एक तकनीकी गलती थी या इसके पीछे कोई बाहरी कारण या हमला था। इस सुविधा का संचालन कतर एनर्जी के साथ अंतरराष्ट्रीय कंपनी एक्सॉनमोबिल की हिस्सेदारी में किया जाता है।

भारतीय मूल की अपर्णा राज ने वॉशिंगटन डी.सी. में जीता चुनाव

वार्ड-1 में लहराया परचम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय प्रवासी परिवार की बेटी और पहली बार चुनाव लड़ रहीं अपर्णा राज ने वॉशिंगटन डी।सी। के वार्ड-1 काउंसिल सीट के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव जीत लिया है। इस जीत के साथ वह पिछले तीन दशकों में वार्ड-1 की पहली नई प्रतिनिधि बनने की ओर अग्रसर हैं। रैंक्ड-चॉइस वोटिंग सिस्टम के तहत हुई मतगणना के चौथे दौर में अपर्णा राज को 52 प्रतिशत वोट मिले। 32 वर्षीय राज अब डी।सी। काउंसिल की सबसे युवा सदस्य बनने जा रही हैं। वार्ड-1 में कोलंबिया हाइट्स, एडम्स मॉर्गन, माउंट प्लेजेंट, शॉ, यू स्ट्रीट, पार्क व्यू, कालोरामा, हावर्ड यूनिवर्सिटी और लेड्रॉइट पार्क जैसे इलाके शामिल हैं। एकप्रोग्रेसिव पॉलिसी एडवोकेसी ग्रुप में कम्युनिकेशंस मैनेजर के रूप में कार्यरत अपर्णा राज ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत किरायेदारों के अधिकारों के लिए काम करने वाली आयोजक के तौर पर की थी। खुद किराए के घर में रहने वाली राज का कहना है कि स्थानीय सरकार में किरायेदारों का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। उन्होंने इस साल की शुरुआत में दिए एक इंटरव्यू में कहा था, 'इस समय काउंसिल में केवल दो सदस्य ही किरायेदार हैं और बहुत कम लोग किरायेदारों की समस्याओं और अस्थिरता को समझते हैं।' उनके चुनाव अभियान का मुख्य फोकस महंगाई, आवास और कामकाजी परिवारों को समर्थन देना रहा। उनकी प्रमुख योजनाओं में किराये पर नियंत्रण , फ्री चाइल्डकेयर की दिशा में कदम और न्यूनतम वेतन को 25 डॉलर प्रति घंटा तक बढ़ाना शामिल है। अपर्णा राज ने पांच उम्मीदवारों वाले मुकाबले में जीत हासिल की। उन्हें कई लेबर यूनियनों और प्रोग्रेसिव संगठनों का समर्थन मिला, जिनमें डीसी लेबर फेडरेशन, वॉशिंगटन टीचर्स यूनियन, वर्किंग फैमिलीज पार्टी, यूनाइट हियर लोकल 25, अमलगामेटेड ट्रांजिट यूनियन लोकल 689, यूएफसीडब्ल्यू 400, कम्युनिकेशंस वर्कर्स ऑफ अमेरिका और सिएरा क्लब डीसी चैप्टर शामिल हैं। चुनाव परिणामों के मुताबिक, एएनसी कमिश्नर मिगुएल ट्रिनडाडे डेरामो दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एएनसी कमिश्नर राशिदा ब्राउन तीसरे स्थान पर रहीं।

बिजनेस वर्ल्ड

क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने हरीश कुमार को सीईओ नियुक्त किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एक प्रमुख वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आज हरीश कुमार को अपना चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। हरीश कुमार के पास साइबर सुरक्षा, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक का नेतृत्व अनुभव है। अपने विशिष्ट करियर के दौरान उन्होंने बड़े पैमाने पर व्यवसायिक परिवर्तन का सफल नेतृत्व किया है, विकास को गति दी है, बाजार में उपस्थिति का विस्तार किया है और मिड-मार्केट तथा बड़े उद्यमों के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी तकनीकी बाजारों में उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों का निर्माण किया है। क्विक हील टेक्नोलॉजीज से जुड़ने से पहले वे चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज में हेड ऑफ सेल्स - इंडिया और सार्क के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने व्यवसाय वृद्धि को आगे बढ़ाने और पूरे क्षेत्र में कंपनी की बाजार नेतृत्व स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह नियुक्ति उस समय हुई है जब क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण चरण में है और अपने प्रमुख ब्रांड्स, क्विक हील और सेक्राइट, के माध्यम से कंज्यूमर साइबर सुरक्षा, एंटरप्राइज सुरक्षा, थ्रेट इंटेलिजेंस, डेटा प्राइवेसी, मैनेज्ड सुरक्षा सेवाओं और एआई-संचालित सुरक्षा समाधानों में अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। इस नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ। कैलाश काटकर ने कहा, हम हरीश कुमार का क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सीईओ के रूप में स्वागत करते हुए बेहद प्रसन्न हैं। वर्षों के दौरान क्विक हील ने नवाचार, ग्राहकों के विश्वास और साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता की मजबूत नींव तैयार की है। जैसे-जैसे डिजिटल परिदृश्य विकसित हो रहा है और व्यक्तियों, उद्यमों तथा सरकारों के लिए साइबर सुरक्षा का महत्व बढ़ता जा रहा है, मुझे पूरा विश्वास है कि हरीश का व्यापक उद्योग अनुभव, सिद्ध नेतृत्व क्षमता और कार्यान्वयन पर मजबूत पकड़ उन्हें कंपनी के अगले विकास चरण का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त बनाती है।

बिहार के किसानों को मिला बपंर तोहफा, सरकार ने खाते में डाले 200 करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को वर्ष 2025-26 के दौरान मार्च, 2026 के तीसरे एवं चौथे सप्ताह में आए आंधी-तूफान, असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करते हुए कृषि इनपुट अनुदान योजना के तहत 3.96 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण असामयिक वर्षा, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित किसानों को अपने संसाधनों से हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि इनपुट अनुदान योजना केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि किसानों में आत्मविश्वास और स्थिरता का संचार करने का भी माध्यम है। उन्होंने बताया कि मार्च, 2026 में आई प्राकृतिक आपदा से राज्य के 13 जिलों—सहरसा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, अररिया, बेगूसराय, पूर्णिया, दरभंगा, किशनगंज, खगड़िया, मधुबनी, सुपौल और भागलपुर—में 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रभावित किसानों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 200 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए तथा कृषि विभाग के अनुरोध पर अतिरिक्त 60.71 करोड़ रुपए की राशि भी स्वीकृत की गई।

इनाल्सा ने नया स्टीलशेफ डीडब्ल्यू5.5 एयर फ्रायर लॉन्च किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के प्रमुख होम अप्लायंसेज ब्रांड्स में से एक इनाल्सा ने अपने नए स्टीलशेफ डीडब्ल्यू5.5 एयर फ्रायर के लॉन्च की घोषणा की है। इसकी कीमत 13,999 रुपए है, जबकि यह फिलहाल विशेष रूप से अमेजन पर 5,999 रुपए की लॉन्च कीमत पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को 60 प्रतिशत तक की बचत हो रही है। जैसे-जैसे उपभोक्ता रोजमर्रा के खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं, स्टेनलेस स्टील भारतीय किचनों में एक भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है। अपनी टिकाऊपन और परिचित उपयोग के कारण यह मटीरियल अब अप्लायंसेज की चयन को भी प्रभावित कर रहा है, और अधिक लोग ऐसे उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं जिनमें स्टेनलेस स्टील का उपयोग हो। न्यूट्रि फ्राई डुओस्लिम की कामयाबी के बाद, इनाल्सा ने इस नए स्टीलशेफ डीडब्ल्यू5.5 को बाजार में उतारकर अपने एयर फ्रायर पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। यह मॉडल सामग्री के स्तर पर एक अहम बदलाव पेश करता है। इस एयर फ्रायर की क्षमता 5.5 लीटर है, जो एक परिवार के रोज के खाने के लिए बिल्कुल सही है। यह 1600W के हीटिंग सिस्टम पर काम करता है और इसमें कुकिंग के 8 अलग-अलग फंक्शन दिए गए हैं, जिनमें फ्राइंग, बेकिंग, ग्रिलिंग और रोस्टिंग शामिल हैं। इन मोड्स की मदद से पारंपरिक तरीके की तुलना में बेहद कम तेल का इस्तेमाल करके कई तरह के व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। बेहतर कुकिंग कंट्रोल के लिए, इसमें 80°C से 200°C तक तापमान सेट करने और 60 मिनट तक का टाइमर लगाने की सुविधा दी गई है। इस अप्लायंस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें खाना पकाने के पैन और सभी संपर्क क्षेत्रों में एसएस 304 फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील और स्टेनलेस स्टील सेपरेटर्स का इस्तेमाल किया गया है। इसका मतलब है कि खाना पकाने के दौरान भोजन जिन सतहों के संपर्क में आता है, वह उसी सुरक्षित मटीरियल से बनी है जिसका इस्तेमाल सालों से भारतीय किचन में होता आया है। कोटिंग वाली सतहों के साथ अक्सर लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर टिकाऊपन और सुरक्षा की चिंता बनी रहती है, लेकिन एसएस304 स्टेनलेस स्टील बार-बार इस्तेमाल करने पर भी अपनी गुणवत्ता बनाए रखता है। यह रोज का खाना बनाने के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प है।

47 करोड़ बने 5800 करोड़! जियो के 10 रु वाले शेयर का कमाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

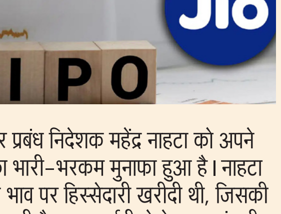

रिलायंस जियो के बहुप्रतीक्षित आईपीओ की हलचल बाजार में तेज हो गई है। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने बाजार नियामक सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर जमा कर दिए हैं। इस ड्राफ्ट से एक बेहद चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। एचएफसीएल के संस्थापक और प्रबंध निदेशक महेंद्र नाहटा को अपने शुरुआती निवेश पर 11,983 फीसदी का भारी-भरकम मुनाफा हुआ है। नाहटा ने जियो में केवल 10 रुपए प्रति शेयर के भाव पर हिस्सेदारी खरीदी थी, जिसकी वैल्यू अब करीब 5,800 करोड़ रुपए हो चुकी है। इस आईपीओ के तहत कंपनी कोई पुराना शेयर नहीं बेचेगी , बल्कि सीधे नए शेयर जारी करके पूंजी जुटाएगी। फिलहाल नाहटा समेत कोई भी मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहा है। बाजार के दिग्गज ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने जियो प्लेटफॉर्म्स की कुल इक्विटी वैल्यू 10.7 लाख करोड़ रुपए आंकी है। इस मूल्यांकन के आधार पर, महेंद्र नाहटा की 0.54% हिस्सेदारी अब लगभग 5,800 करोड़ रुपए की हो गई है। यह स्थिति रातों-रात नहीं बनी। जियो प्लेटफॉर्म्स के अस्तित्व में आने के आठ महीने बाद, 7 जुलाई 2020 को नाहटा परिवार ने दो किस्तों में ये शेयर हासिल किए थे। नाहटा परिवार (जिसमें उनके बेटे अनंत और बेटी प्रियंका शामिल हैं) ने 10 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से डिबेंचर को बदलकर 37.04 मिलियन शेयर प्राप्त किए। इसके साथ ही रिलायंस ने उन्हें 10.83 मिलियन शेयर अतिरिक्त आवंटित किए। इस पूरे सौदे में उनकी कुल लागत महज 47.87 करोड़ रुपए आई थी, जो आज 121 गुना बढ़ चुकी है। इस सौदे की सबसे दिलचस्प बात शेयरों की कीमत है। जिस दिन नाहटा परिवार को 10 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से जियो में हिस्सेदारी मिली, उसी दिन दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों ने काफी ऊंची कीमत पर निवेश किया था। रिलायंस ने मेटा (फेसबुक) को 488.34 रुपए प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए। इसके अलावा गूगल, केकेआर, मुबाडाला और टीपीजी जैसे 13 बड़े वैश्विक निवेशकों ने मिलकर कंपनी का 33% हिस्सा खरीदने के लिए 1,52,056 करोड़ रुपए लगाए। इनमें से ज्यादातर निवेशकों ने प्रति शेयर 549.31 रुपए चुकाए।

पीओके में पाक के खिलाफ उबाल.. 70 हजार प्रदर्शनकारी जुटे

आजादी' के नारों से गूंजा रावलकोट

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन लगातार 14वें दिन भी जारी है। आंदोलन में महिलाएं और स्कूली बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान के कब्जे का विरोध कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में पिछले 11 दिनों से 70 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी जुटे हुए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, कई कस्बों और गांवों में भी नए विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। सुधनोती जिले के तरार खेल में करीब 10-12 साल के स्कूली बच्चे सार्वजनिक चौराहे पर इकट्ठा हुए और आजादी के नारे लगाए। मंढोल इलाके में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकाला। महिलाओं ने पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ जमकर नारे लगाए। इसके साथ ही इलाके में कब्जे और अधिकारों की कमी का विरोध किया। रावलकोट के मुख्य प्रदर्शन स्थल पर कई स्कूली बच्चे तख्तियां लेकर पहुंचे। इन तख्तियों पर लिखा था, 'पाकिस्तानी सेना बाहर आ गई है', 'पाकिस्तानी सेना कश्मीरियों को मार रही है', 'कश्मीर पर पाकिस्तानी हमला हो रहा है', 'हमें बुनियादी अधिकार चाहिए', 'हमें मुफ्त शिक्षा चाहिए'। आंदोलन में बच्चों की भागीदारी को सबसे अहम तस्वीरों में से एक माना जा रहा है। इससे संकेत मिलता है कि पीओके में राजनीतिक दबाव, आर्थिक परेशानियों और सेना के प्रभाव को लेकर युवा पीढ़ी में भी नाराजगी बढ़ रही है। आंदोलन के प्रमुख आयोजक सरदार अमन खान ने रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में हजारों लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पीओके के लोगों के पास अभी भी विकल्प हैं और पाकिस्तान की रणनीति की गुंजाइश लगातार कम होती जा रही है। उन्होंने पाक को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे अधिकार देने होंगे, वरना बड़ा आंदोलन होगा। उन्होंने कहा, यदि पाकिस्तानी सेना अपना जुल्म जारी रखती है, तो मिलिट्री सिस्टम को पीओके से बाहर कर दिया जाएगा। सरदार अमन खान ने पाकिस्तानी सेना पर जातीय समूहों के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया। बंगालियों के खिलाफ पहले हुए अत्याचार और बलूच और पश्तून समुदायों पर जारी दबाव का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीरी इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, यदि कश्मीरी पीओके में नहीं रह सकते, तो पाकिस्तानी आर्मी भी नहीं रह पाएगी।

0.1% वोटर तय करेंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का भविष्य?

एक उपचुनाव पर टिकी पूरे देश की नजर

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

ब्रिटेन में एक ऐसा उपचुनाव हो रहा है, जिस पर पूरे देश की राजनीति की नजर टिकी हुई है। मेकरफील्ड सीट के करीब 76 हजार वोटर, जो देश की आबादी का लगभग 0.1% हैं, कीर स्टारमर के राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। यहां से लेबर पार्टी के लोकप्रिय नेता एंडी बर्नहम चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्हें भविष्य का संभावित प्रधानमंत्री भी माना जा रहा है। अगर एंडी बर्नहम यह सीट जीत जाते हैं, तो माना जा रहा है कि वे लेबर पार्टी के नेतृत्व के लिए कीर स्टारमर को चुनौती दे सकते हैं। यही वजह है कि एक साधारण दिखने वाला यह उपचुनाव अब ब्रिटेन की राजनीति का सबसे बड़ा मुकाबला बन गया है।

एंडी बर्नहम की वापसी क्यों है इतनी अहम?

ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहम को ब्रिटेन के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिना जाता है। हालांकि वह फिलहाल संसद सदस्य नहीं हैं, इसलिए लेबर पार्टी के नेतृत्व की दौड़ में शामिल नहीं हो सकते। मेकरफील्ड सीट खाली होने के बाद उन्हें यहां से उम्मीदवार बनाया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर बर्नहम संसद पहुंच जाते हैं, तो वह प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के नेतृत्व को खुली चुनौती दे सकते हैं।

क्यों खास है मेकरफील्ड का यह चुनाव?

मेकरफील्ड उत्तरी इंग्लैंड का एक पारंपरिक लेबर गढ़ माना जाता है। यह इलाका दशकों तक कोयला खदानों, स्टील उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भर रहा, जहां मजदूर वर्ग की बड़ी आबादी लेबर पार्टी को समर्थन देती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यहां की अर्थव्यवस्था बदल चुकी है और अब रोजगार के मुख्य क्षेत्र निर्माण, खुदरा कारोबार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार यह एक क्लासिक पोस्ट-इंडस्ट्रियल क्षेत्र है, जहां बुजुर्ग आबादी ज्यादा है, घरों का स्वामित्व अधिक है और ब्रेक्जिट को मजबूत समर्थन मिला था। यहां के कई मतदाता पारंपरिक राजनीति से निराश दिखाई देते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि लेबर पार्टी अपनी जड़ों से दूर हो गई है, जबकि कुछ मतदाता रिफॉर्म यूके की आव्रजन विरोधी राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यही वजह है कि यह चुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं बल्कि ब्रिटेन की बदलती राजनीति का संकेतक बन गया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का इस्तीफा

10 साल में पद छोड़ने वाले छठे पीएम

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

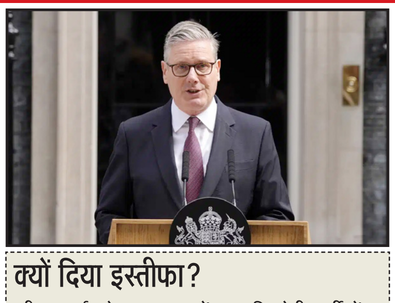

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने प्रधानमंत्री पद और लेबर पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया है। स्टारमर ने कहा कि उनकी पार्टी के भीतर यह सवाल उठ रहा था कि क्या वह अगले आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पार्टी का जवाब मिल गया है और वह इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करते हैं। स्टारमर ने कहा कि अब समय आ गया है कि कोई नया नेता पार्टी की कमान संभाले और उसे अगले चुनाव की ओर ले जाए। स्टार्मर पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले छठे पीएम हैं। इससे पहले डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे।

क्यों दिया इस्तीफा?

कीर स्टार्मर ने एक बयान में कहा कि मेरी पार्टी में यह सवाल था कि क्या अगले चुनाव में मैं ही नेतृत्व करूंगा। संसदीय दल को मेरे नेतृत्व पर संशय था। लोगों को लग रहा था कि मैं सफल नहीं हो सकता हूं। मैंने उन आवाजों को तरजीह दी है। इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया है। स्टार्मर ने आगे कहा कि मैंने यहूदी विरोधी विचारों को जड़ से उखाड़ फेंका है। मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को तरजीह दी है। 2 साल पहले मैं जब प्रधानमंत्री नियुक्त हुआ, तो वो मेरे लिए गौरवशाली क्षण था।

अब आगे क्या होगा?

लेबर पार्टी अपना नया नेता चुनने के लिए बैठक करेगी। हाल ही में चुनाव जीतकर आए बर्नहैम प्रधानमंत्री की रेस में सबसे आगे हैं। बर्नहैम को 100 सांसदों को घोषित रूप से समर्थन प्राप्त है। बर्नहैम आज संसद में सांसद के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने पिछले हफ्ते मेकरफील्ड सीट का उपचुनाव जीता था। स्टारमर ने कहा है कि वह लेबर पार्टी की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी से अपील करेंगे कि नए पार्टी नेता के लिए नामांकन प्रक्रिया 9 जुलाई से शुरू की जाए। उन्होंने बताया कि नए नेता के चयन की प्रक्रिया 16 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी, जो संसद का समर हॉलिडे शुरू होने का समय है।

फिलीपींस के टैक्लोबन में स्कूल के भीतर अंधाधुंध फायरिंग

3 की मौत से मचा कोहराम, दहल उठा पूरा इलाका

हिंदमाता नेटवर्क @ फिलीपींस

फिलीपींस के टैक्लोबन शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल परिसर के भीतर हुई अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्कूल परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्कूल परिसर में मची चीख-पुकार

वहां मौजूद लोगों के अनुसार, स्कूल के भीतर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, जिसके बाद वहां मौजूद छात्र, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से परिसर में मौजूद लोगों के बीच भारी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

हिंदमाता एंकर शुरुआत में कम से कम 20 लोगों ने भारत में घुसने की कोशिश की जिसे बीएसएफ ने खदेड़ दिया, इसके बाद 1000 लोग लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंच गए

सीमा पर भारी तनावः लाठी-डंडे लेकर घुसपैठ की कोशिश में बॉर्डर पर जुटे सैकड़ों बांग्लादेशी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध घुसपैठियों को लेकर सीमा पर भारी तनाव बढ़ता ही जा रहा है। हाल के दिनों में बांग्लादेश के सीमा रक्षा बल बीजीबी ने कई लोगों को जबरन भारत में भेजने की नापाक कोशिश की है। शनिवार को बांग्लादेश की तरफ से भारत में घुसपैठ की एक और बड़ी कोशिश की गई जिसे भारत ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया। ये वो अवैध घुसपैठिए थे जिन्हें भारतीय सुरक्षा बलों ने बांग्लादेश में भेज दिया था लेकिन उन्होंने स्वीकार नहीं किया। बांग्लादेश के सीमा रक्षा बल बीजीबी ने इन लोगों पर भारत में वापस जाने के लिए भारी दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार शुरुआत में कम से कम 20 लोगों ने भारत में घुसने की कोशिश की जिसे बीएसएफ ने खदेड़ दिया। इसके बाद यह समूह फिर से बांग्लादेश की तरफ जमा हुआ और उनके पीछे लगभग 1000 लोग लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंच गए। हालांकि भारतीय सीमा सुरक्षा बल के मुस्तैद जवानों को देखकर यह हिंसक समूह कुछ समय के बाद वहां से वापस लौट गया।

घुसपैठियों की वापसी पर विवाद

पश्चिम बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अवैध बांग्लादेशियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की कोशिश में तेजी आई है। बांग्लादेश की सरकार ने इन कोशिशों पर कड़ी आपत्ति जताई है और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने भी इसका विरोध किया है। बांग्लादेश ने साफ कहा है कि किसी भी तरह की वापसी दोनों देशों की तय प्रक्रियाओं के अनुसार ही होनी चाहिए। इस तनाव के कारण बीएसएफ और बीजीबी के बीच बॉर्डर पर टकराव की स्थिति काफी ज्यादा बढ़ गई है।

आंकड़ों में घुसपैठ की सच्चाई

बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने हाल ही में संसद को बताया कि 5 अगस्त 2024 से अब तक 2369 लोगों को भेजा गया। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान बीजीबी ने 183 लोगों को वापस भारतीय सीमा की तरफ भेज दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि 1 महीने के भीतर 4800 लोगों को बांग्लादेश भेजा गया। यह घुसपैठ का अहम मुद्दा दोनों देशों के कूटनीतिक रिश्तों के लिए एक बहुत ही बड़ी और गंभीर चुनौती बन चुका है। इस सीमा विवाद पर कई अहम खुलासे सामने आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 1 जून 2026 से बीजीबी ने भारतीय सुरक्षा बलों की 21 कोशिशों को नाकाम किया है। इन कोशिशों में 200 से ज्यादा लोगों को बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में जबरन धकेलने का सीधा प्रयास किया गया था। इस खींचतान के कारण सीमा पर रहने वाले आम लोगों के बीच दहशत और बहुत ही ज्यादा असुरक्षा का माहौल है।

दैनिक ठाणे, मंगलवार 23 जून, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

WT20 वर्ल्ड कप 2026: टॉप 5 लिस्ट में दो भारतीयों का जलवा

आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 18 मैच खेले जा चुके हैं। टूर्नामेंट का 18वां मुकाबला भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मैनचेस्टर में खेला गया। रविवार को यह मैच आखिरी ओवर तक गया और हरमनप्रीत ब्रिगेड को 6 विकेट से हार मिली। भारत ने 158/7 का स्कोर खड़ा किया था और साउथ अफ्रीका ने पांच गेंद बाकी रहते टारगेट चेज कर लिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों से दो जीते हैं। सोमवार को टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं है। ऐसे में आपको टूर्नामेंट में अभी तक सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली टॉप 5 खिलाड़ियों के बारे में हैं। दोनों लिस्ट में शीर्ष पर भारतीय खिलाड़ी का जलवा है।

■ भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने जारी टूर्नामेंट में तीन मुकाबलों में 53.00 के औसत से 159 रन बटोरे हैं। उनके बल्ले से दो अर्धशतकीय पारियां निकली हैं। वह साउथ अफ्रीका के सामने 12 गेंदों में 17 रन बनाकर लौटी थीं। नीदरलैंड की बैबेट डी लीडे ने तीन मैचों में 67.00 के औसत से 134 रन जुटाए हैं। उन्होंने भी दो अर्धशत जमाए। वेस्टइंडीज की शेमाइन कैम्पबेले ने 130 रन जोड़े हैं, जिसमें 65.00 का औसत रहा। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 90 रनों की पारी खेली थी। इंग्लैंड की डैनी वायट हॉज एक शतक की बदौलत 128 रन बना चुकी हैं।

■ वहीं, महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अभी तक में सबसे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा श्री चरणी ने किया है। भारत की 21 वर्षीय स्पिनर चरणी ने तीन मैचों में 10 शिकार किए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध तीन, नीदरलैंड के सामने चार जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट हासिल किए। फेहरिस्त में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज की आलिया एलीने हैं। उन्होंने 8 विकेट अपने नाम किए हैं। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज, पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना और इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने सात-सात विकेट चटकाए हैं।

महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 में अभी तक में सबसे ज्यादा रन

159 रन - स्मृति मंधाना (भारत) 134 रन - बैबेट डी लीडे (नीदरलैंड) 130 रन - शेमाइन कैम्पबेले (वेस्टइंडीज)
128 रन - डैनी वायट हॉज (इंग्लैंड) 123 रन - नीलाक्षी डी सिल्वा (श्रीलंका)

महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 में अभी तक में सबसे ज्यादा विकेट

10 विकेट - श्री चरणी (भारत) 8 विकेट- आलिया एलीने (वेस्टइंडीज) 7 विकेट - हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज)
7 विकेट - सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) 7 विकेट - फातिमा सना (पाकिस्तान)

थदोई युमनाम का मिर्स यूनिवर्स इंडिया होगा अगला पड़ाव

मणिपुर की थदोई युमनाम ने मिस यूनिवर्स मणिपुर 2026 का खिताब जीत लिया है। इस जीत के साथ अब थदोई युमनाम मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 में मणिपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो जुलाई में आयोजित होने वाला है।

20 फाइनलिस्ट्स के बीच जीता मुकाबला

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों से आई 20 फाइनलिस्ट्स ने हिस्सा लिया। यह इवेंट सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, लीडरशिप और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता को भी बढ़ावा देने वाला रहा। इस प्रतियोगिता में जेनेवा लाइखुराम को पहला रनर-अप और आलिश मैबाम को दूसरा रनर-अप चुना गया।

बड़े नाम रहे मौजूद

इस ग्रैंड फिनाले को मशहूर फैशन डिजाइनर रॉबर्ट नाओरेम ने डायरेक्ट किया। कार्यक्रम में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और उनकी पत्नी भी शामिल हुए। इसके अलावा मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मनीका विश्वकर्मा भी इस इवेंट में जज के रूप में मौजूद रहीं।

जीत के बाद क्या बोलीं थदोई?

खिताब जीतने के बाद थदोई काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गई हूं। यह मेरा सपना था, जिसके लिए मैं पिछले साल से मेहनत कर रही थी। पिछले साल मैं हार गई थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मेरे परिवार, दोस्तों और टीचर्स का बहुत बड़ा सपोर्ट रहा है, यह जीत हम सबकी है। मैं मणिपुर को गर्व के साथ रिप्रेजेंट करूंगी।

खूबसूरती के साथ मजबूत संदेश

इस इवेंट में सिर्फ बाहरी सुंदरता ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, खुद को स्वीकार करना और अंदरूनी खूबसूरती जैसे विषयों पर भी जोर दिया गया। जज मनीका विश्वकर्मा ने भी सभी प्रतिभागियों की तारीफ करते हुए कहा कि मणिपुर की लड़कियों में गहराई और एक मजबूत संदेश देने की ताकत है।

अब नेशनल स्टेज पर नजरें

अब थदोई युमनाम मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 2026 में मणिपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनसे उम्मीद है कि वह देश के सामने राज्य की ताकत, एकता और खूबसूरती को शानदार तरीके से पेश करेंगी।

रेस ट्रैक के ऐल्फा गुरिंदरवीर सिंह ने आलिया भट्ट के साथ साझा किया संघर्ष और सफलता का सफर

रेस ट्रैक के नए 'ऐल्फा' गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड का समय दर्ज कर इतिहास रचते हुए भारत के सबसे तेज धावक का खिताब अपने नाम किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद उन्होंने अपनी पहली खास बातचीत यश राज फिल्म्स की फिल्म 'अल्फा' की टीम के साथ साझा की, जिसमें आलिया भट्ट भी शामिल रहीं।

आलिया भट्ट ने की खास बातचीत की शुरुआत

इस खास इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने गुरिंदरवीर सिंह से उनके सफर और प्रेरणा के बारे में सवाल किए। बातचीत के दौरान उन्होंने उन्हें 'भारत का गौरव' बताते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की। वहीं गुरिंदरवीर ने अपने आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि सबसे आगे और सबसे तेज बनने के लिए फोकस, मेहनत और लगन जरूरी है।

पिता के सपनों से मिली प्रेरणा

गुरिंदरवीर ने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि उनके पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी थे और चोट के कारण उनका करियर अधूरा रह गया था। अपने पिता के अधूरे सपनों को देखकर ही उन्होंने एथलेटिक्स में करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ी प्रेरणा उनके पिता और उनका परिवार रहा है।

मुश्किल दौर और परिवार का साथ

एथलीट ने अपने संघर्ष भरे दौर को याद करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें अपने करियर को लेकर संदेह होने लगा था। लेकिन उस कठिन समय में उनकी मां और पिता ने उन्हें लगातार हिम्मत दी और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

ट्रेनिंग और सपोर्ट सिस्टम का योगदान

गुरिंदरवीर ने रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद मिले सपोर्ट सिस्टम की भी सराहना की। उन्होंने बेहतर ट्रेनिंग, डाइट और सुविधाओं को अपनी सफलता का अहम हिस्सा बताया और नीता अंबानी का धन्यवाद किया। इंटरव्यू के दौरान आलिया भट्ट ने उनके लिए पसंदीदा मिठाई मोतीचूर के लड्डू भी लाए, जिससे माहौल और भी हल्का और खुशगवार हो गया। इस दौरान दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली, जिसने इस खास मुलाकात को और यादगार बना दिया।

फिल्म 'अल्फा' को लेकर बढ़ा उत्साह

शिव रवैल के निर्देशन में बनी 'अल्फा' वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला केंद्रित एक्शन फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट और शर्वरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी, जबकि बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निक जोनस 'बेस्ट डैड': प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने फादर्स डे के मौके पर अपने पति निक जोनस के लिए सोशल मीडिया पर एक बहुत ही प्यारा मैसेज शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने निक और अपनी बेटी की एक खूबसूरत तस्वीर भी पोस्ट की है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं।

निक और मालती

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसमें निक और उनकी बेटी मालती मैरी एक गोल्फ कोर्स में टहलते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में मालती ने गुलाबी रंग की हुडी और लाल शॉर्ट्स पहने हुए हैं। यह फोटो दिखाती है कि दोनों साथ में कितना अच्छा समय बिता रहे हैं। तस्वीर को पोस्ट करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा कि बेस्ट डैड के साथ सबसे अच्छा दिन। हैप्पी फादर्स डे निक। प्रियंका और निक साल 2022 में माता-पिता बने थे। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका की मशहूर वेब सीरीज 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन 6 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आना शुरू हो चुका है। इससे पहले प्रियंका फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं। प्रियंका जल्द ही निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

दिशा का सिजलिंग पोज

बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

■ तस्वीरों में दिशा पाटनी का फैशन सेंस देखने लायक है। उन्होंने एक बेहद अट्रैक्टिव सिल्वर और ब्लैक कॉम्बिनेशन वाला जेब्रा प्रिंट हॉल्टर नेक कॉर्सेट स्टाइल टॉप पहना हुआ है, जिसमें ब्लैक लेस की डिटेलिंग दी गई है। इस चमकीले टॉप के साथ दिशा ब्लैक कलर की मिनी स्कर्ट मैच की है, जो उनके टोंड लेग्स और परफेक्ट फिगर को बेहतरीन तरीके से फ्लॉन्ट कर रही है।

■ लाइट मेकअप, न्यूड लिप्स और स्मोकी आइज के साथ दिशा का यह ओवरऑल लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दिशा के लुक को सबसे ज्यादा खास उनके एक्सप्रेशंस और हेयर स्टाइल बना रहे हैं। उनके चेहरे पर गिरती जुल्फें और बंद आंखों के साथ दिया गया पोज उनके लुक में एक मिस्ट्री और सेंसुअलिटी जोड़ रहा है।

■ तस्वीरों में दिशा पाटनी ने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दिए हैं। उनका साइड-प्रोफाइल पोज उनकी परफेक्ट बॉडी कर्व्स को उभार रहा है। कुछ तस्वीरें ब्लैक एंड व्हाइट भी हैं। दिशा पाटनी का यह नया अवतार इस बात का सबूत है कि स्टाइल और बोल्डनेस के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। तस्वीरें अपलोड होते ही फैंस इस पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स की बरसात कर रहे हैं।

हुमा कुरैशी का दमदार अवतार

टीजर और हिट सॉन्ग से पहले ही चर्चा में आई फिल्म 'Baby Do Die Do' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। ट्रेलर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है। इसमें सस्पेंस, इमोशन और थ्रिल का ऐसा मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखता है।

हुमा कुरैशी का दमदार और अनोखा किरदार

फिल्म में हुमा कुरैशी भारत की पहली देसी हिटवुमन 'Baby' के किरदार में नजर आ रही हैं। उनका किरदार एक गूंगी-बहरी महिला का है, जिसके पीछे एक खतरनाक और रहस्यमयी अतीत छिपा हुआ है। ट्रेलर में हुमा बिना शब्दों के अपने इमोशन्स और गहराई से भरे अभिनय से हर फ्रेम में छाप छोड़ती नजर आती हैं।

अंडरवर्ल्ड और रहस्यों से भरी कहानी

फिल्म की कहानी अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां बेबी का सफर रहस्यों, धोखे और बदले की दुनिया में ले जाता है। हर सीन के साथ कहानी और उलझती जाती है और दर्शकों के सामने नए सवाल खड़े होते रहते हैं।

मल्टीस्टारर कास्ट ने बढ़ाया रोमांच

ट्रेलर में सिकंदर खेर, चंकी पांडे, रचित सिंह, मरुधा शेखावत, विद्या मालवदे, अरुण कुशवाह और हिमांशु मलिक जैसे कलाकार भी नजर आते हैं। सभी किरदार कहानी में अलग-अलग परतें जोड़ते हुए दिखाई देते हैं, जिससे फिल्म और भी रहस्यमयी बन जाती है।

डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ने क्या कहा?

डायरेक्टर नचिकेत सामंत के मुताबिक फिल्म का मकसद सिर्फ शोर मचाने वाला थ्रिलर बनाना नहीं था, बल्कि इमोशन्स और कैरेक्टर्स के जरिए सस्पेंस पैदा करना था। वहीं प्रोड्यूसर साकिब सलीम ने कहा कि यह एक ओरिजिनल और इमोशनल कहानी है, जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखेगी।

कलाकारों ने साझा किए अपने अनुभव

हुमा कुरैशी ने कहा कि यह किरदार उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण रोल्स में से एक है, जहां बिना डायलॉग के इमोशन दिखाना सबसे कठिन था। वहीं सिकंदर खेर ने बताया कि फिल्म का हर किरदार कई लेयर में लिखा गया है। चंकी पांडे के मुताबिक यह फिल्म ऐसी है जो खत्म होने के बाद भी दिमाग में बनी रहती है।

कब रिलीज होगी फिल्म

'Baby Do Die Do' का निर्माण सलीम सिबलिंग्स प्रोडक्शन और पुणे 04 फिल्म के सहयोग से किया गया है। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और दर्शकों को एक नया सिनेमैटिक अनुभव देने का दावा करती है।

अब कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा : मिताली राज

टीम इंडिया को आईसीसी वुमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में रविवार 21 जून को अपनी पहली हार मिली। करीबी मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को हरा दिया। पहले दो मैच हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने जीते थे, जबकि अभी दो मैच लीग फेज में टीम इंडिया के बाकी हैं। इनमें से एक मैच बांग्लादेश और एक मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ है। अगर भारत को सेमीफाइनल का टिकट कटाना है तो ऑस्ट्रेलिया को हर हाल में हराना होगा। यह बात भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कही है।

■ जियोस्टार पर मिताली राज ने यह भी सलाह भारतीय टीम को दी कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। मिताली ने इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका मैच के बाद कहा कि यह इंडिया के लिए निराशाजनक गेम था, क्योंकि अगर वे यह जीत जाते, तो वे टेबल में टॉप पर होते और अब उनके पास सेमीफाइनल में जाने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं है। यह उनका गेम था, जीतना था, क्योंकि आगे का रास्ता थोड़ा मुश्किल है।

■ उन्होंने आगे बैटिंग ऑर्डर पर कहा कि बैटिंग ऑर्डर के नजरिए से, हमने हरमनप्रीत को नंबर पांच पर इतनी देर तक बैटिंग करते हुए बहुत बार नहीं देखा है, इसलिए शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं। जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां बहुत रन बनाए हैं। जब तक वह आएंगी, तब तक उन्हें ज्यादातर स्पिनर्स का सामना करना पड़ेगा, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप अच्छे से खेल सकती हैं। इससे उनका कॉन्फिडेंस बढ़ाने, उन्हें रिदम में वापस लाने और उस मोमेंटम को वापस पाने में मदद मिल सकती है, जिसमें हरमनप्रीत जेमिमा से आगे बैटिंग करनी होगी।

दो बदलाव करे टीम इंडिया- वेदा

वहीं, अगले मैच में होने वाले बदलावों को लेकर वेदा कृष्णमूर्ति ने कहा कि मैं टीम में क्रांति गौड़ को जरूर देखूंगी। आपको ऐसे बॉलर चाहिए जो पावरप्ले में शुरूआत में विकेट ले सकें और क्रांति में वह काबिलियत है। दूसरी प्लेयर राधा यादव होंगी। हां, उन्होंने इस गेम में कुछ कैच छोड़े, लेकिन मैं उन्हें फिर भी कमें देखना चाहती हूं, क्योंकि वह एक और लेफ्ट आर्म स्पिन ऑप्शन लाती हैं। हमने देखा कि श्री चरणी ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ क्या किया। यास्तिका के खिलाफ कुछ नहीं है, लेकिन अगर वह नंबर तीन पर बैटिंग नहीं कर रही हैं और उन्हें नीचे आना पड़ता है, तो मैं राधा जैसी प्लेयर को रखना चाहूंगी, जो कई डिपार्टमेंट में मदद कर सकती हैं। अगले गेम के लिए मुझे इन दो बदलावों की उम्मीद है।

बच्चों के साथ छुट्टियों पर निकले करण जौहर

फिल्ममेकर करण जौहर को सोमवार को मुंबई एयरपोर्ट पर अपने दोनों बच्चों, यश और रूही के साथ देखा गया। वे सभी किसी खास जगह पर फैमिली वेकेशन के लिए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट हुए स्पॉट

आज सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर करण जौहर ट्रैकसूट, जूते और स्टाइलिश चश्मा पहने हुए बेहद कूल लुक में नजर आए। उनके हाथ में एक छोटा बैग और कुछ फाइलें भी थीं। उनके बच्चे भी काफी स्टाइलिश लग रहे थे। यश ने जींस के साथ सफेद जैकेट पहनी थी, वहीं रूही टी-शर्ट और ट्राउजर में नजर आईं। एयरपोर्ट के अंदर जाते समय करण अपने बच्चों को पैपराजी की भीड़ से बचाते हुए दिखाई दिए।

सिंगल पेरेंट बनने पर करण की राय

करण ने कहा कि सिंगल पेरेंट बनने का मेरा फैसला मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत फैसला था। यह मेरी हर दुआ का जवाब था। हालांकि, लोग मुझे पेरेंटिंग को लेकर कई तरह की सलाह देते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि सिंगल पेरेंट का सफर अलग होता है और इसे अपनी समझ से ही चलाना चाहिए। पेरेंटिंग का कोई तय नियम नहीं होता, सिर्फ भावनाएं होती हैं। रूही और यश ने मेरी जिंदगी के खालीपन को भरा है और मुझे एक पूरा इंसान बनाया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप